

वसुधा

(हिंदी पाठ्यपुस्तक)



I

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम
और सतत एवं समग्र मूल्यांकन पद्धति पर आधारित



Based On
CCE



वसुधा

(हिंदी पाठ्यपुस्तक)

रामेश्वर कांबोज 'हिमांशु'
केंद्रीय विद्यालय





© All rights reserved. No part of this work may be reproduced or utilized in any form or by any means including photocopying without the prior written permission of the publisher.

ACKNOWLEDGEMENT

Our Editorial Board is highly thankful to the authors who worked hard for bringing out the book and to the teachers who offered valuable suggestions for its improvement.

Processed by :

Research & Development Department

Editorial Board :

- **Editor in Chief :** P. S. Pundir
- **Graphics Designing :** Amit Kr. Saini

First Edition : 2015

Revised Edition : 2016



Crunchy Publications

(A Unit of BPPL)

Corporate Office : 516-517, Lane 16, Joshi Rd, Karol Bagh, New Delhi - 110005 Mob. 09212111747

B. O.: Sunil Complex, Western Kutchery Road, Meerut, Mob. 09359909190

Regd. Office : 22, Jawahar Park, P.B. 36, Saharanpur-247 001 (U.P.)

Phone : (0132) 2680830; (0132) 3291426; *Fax :* 0132-2681279

Website : www.nbpindia.com; *email :* info@nbpindia.com

प्राकृकथा

राजभाषा हिन्दी

के स्वरूप में पिछले एक दशक में बदलाव की

झलक देखने को मिली है। जहाँ एक ओर हिन्दी संपूर्ण भारत में
सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा के रूप में प्रचलित हुई है, वही दूसरी ओर कंप्यूटर

के इस युग में हिन्दी भाषा की शुद्धता लुप्त होती जा रही है। संभवतः किसी भी भाषा की बढ़ती
लोकप्रियता समय के अनुसार उसके प्राचीन स्वरूप में बदलाव की माँग करती है। इस तथ्य को ध्यान में
रखते हुए हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि हिन्दी भाषा की 21वीं सदी में कोई भी पाठ्यपुस्तक उस प्रकार की नहीं
हो सकती जैसे एक या दो दशक पहले हुआ करती थी। इसी मूल सिद्धांत को आधार बनाकर कक्षा एक से आठ तक की
पाठ्यपुस्तक 'बसुधा' का निर्माण किया गया है। पाठ्यपुस्तकों की यह शृंखला विभिन्न शैक्षिक संस्थानों द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम
तथा NCF 2005 द्वारा प्रस्तावित एवं सतन् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली (C.C.E.) पर आधारित है।

'बसुधा' पाठ्यपुस्तक की शृंखला में भाषा के परिष्कृत स्वरूप को जानने समझने और व्यवहार में उसका उपयोग कर सकने की क्षमता के
विकास को सर्वोपरि महत्व दिया गया है। इनमें साहित्य की सभी विधाओं- कहानी, कविता, निवंच, पत्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत, जीवनी,
एकांकी आदि का समावेश है। पाठ्य-साप्रगी बोजिल व उचाऊ न हो, वह रुचिकर, प्रेरणादार्द हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। भाषा-ज्ञान
के साथ बच्चों में नैतिक-मूल्य व चारित्रिक दृष्टिकोण हो, वे विवेकशील, साहसी व उदार बनें, इसका भी प्रयास किया गया है।

पाठों का चयन जितना महत्वपूर्ण होता है, उसका अभ्यास कार्य भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। मूल्यांकन हेतु प्रश्नों का निर्माण इस प्रकार किया
गया है कि जिससे बच्चों की स्वबोध, प्रत्यास्परण, विचार, कल्पनाशीलता एवं जीवन-मूल्यों का आकलन किया जा सके। छात्रों की सुविधा के लिए
कठिन शब्दों के अर्थ दिए गए हैं। शब्दों की वर्तनी पर हमने विशेष ध्यान केंद्रित किया है। 'भाषा ज्ञान' के अंतर्गत व्याकरण-ज्ञान की सभी इकाइयों
का समावेश है। ये भाषा के स्वरूप को समझने और भाषा के शुद्ध प्रयोग करने की क्षमता का विकास करने में सहायक सिद्ध होंगे। 'मूल्याधारित
प्रश्न' तथा 'परियोजना कार्य' के अंतर्गत ऐसे मुझावों को समिलित किया गया है जो बच्चों की वैचारिक सामर्थ्य, कल्पनाशीलता व सृजनात्मकता
को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन्हे अनावश्यक या अतिरिक्त कार्य समझकर छोड़ देना अपने विषय और अध्यापन कार्य
के साथ अन्याय करने जैसा होगा। मुजनात्मक गतिविधियाँ विषय के प्रति रुची जागृत करती हैं एवं बच्चों के व्यक्तित्व विकास में भी
सहायक होती हैं। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा का मूल उद्देश्य है। वे नीतिवान, मुद्रङ चरित्रवान बनें, यह भी हमारा
दायित्व है।

इस पुस्तक शृंखला के साथ सभी कक्षाओं के लिए सी.डी. (Modules) का निर्माण भी किया गया है, जो पाठों के अर्थ
ग्रहण में समग्रता लाने तथा मूल्यांकन कार्य में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। ये पठन-पाठन की प्रक्रिया की एकरसता
तोड़कर उन्हें रोचकता प्रदान करेंगी।

हमें आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्रभाषा हिन्दी को और रुचिपूर्ण बनाकर हम जो
'बसुधा' पाठ्यपुस्तक शृंखला प्रस्तुत कर रहे हैं, उससे अध्यापक/अध्यापिका एवं
अभिभावक गण अपने अध्यापन को संपूर्ण बना पाएंगे।

- प्रकाशक

पुस्तक के विषय में-

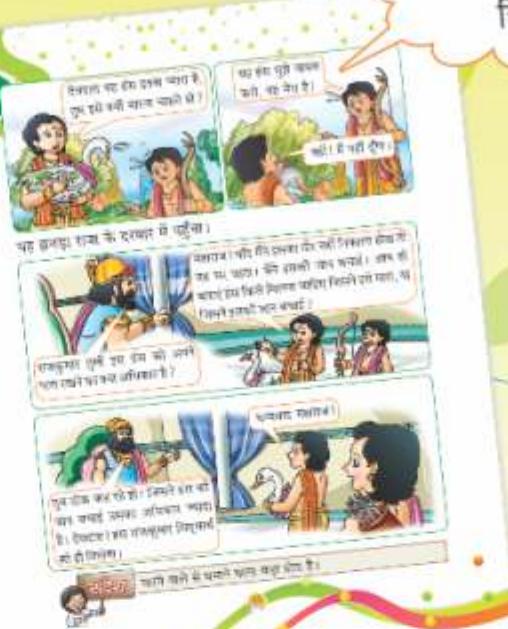
मनोरंजक, प्रेरणादायी एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित पाठ



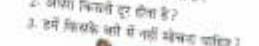
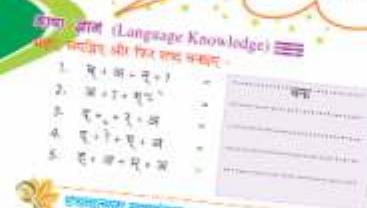
कठिन शब्दों के अर्थ

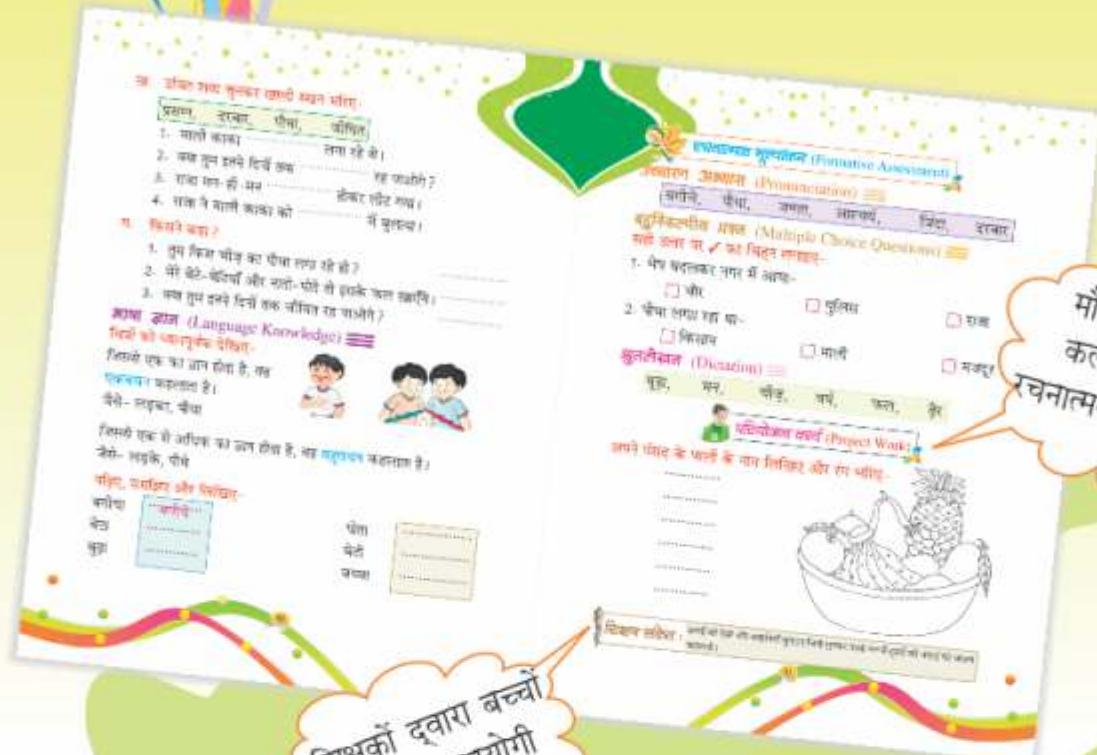


रोचकता एवं
अवधारणा में सहायक
चित्र



व्याकरण के व्यावहारिक ज्ञान हेतु पाठ से संबंधित भाषा एवं व्याकरण के अभ्यास





मौलिक वित्तन,
कल्पनाशीलता,
रचनात्मकता के विकास
हेतु



बच्चों के जीवन उपयोगी सूत्र

विषय-सूची

खंड-1

1. मुझसे मिलिए	7
2. आओ मिलकर दोहराएँ	8
3. 'अ' और 'आ' की मात्रा	13
4. 'इ' और 'ई' की मात्रा	17
5. 'उ' और 'ऊ' की मात्रा	23
6. 'ऋ' की मात्रा	27
7. 'ए' और 'ऐ' की मात्रा	29
8. 'ओ' तथा 'औ' की मात्रा	35
9. अनुस्वार तथा अनुनासिक का चिह्न	39
10. अन्य मात्राएँ एवं चिह्न	43
11. संयुक्त अक्षर, द्वित्व व्यंजन तथा संयुक्त व्यंजन	47

चिड़िया राजी

नन्हें हाथों से

खंड-2

12. प्रार्थना (कविता)	49
13. तीसरा कौन (कहानी)	52
14. माली काका (शैक्षिक कहानी)	56
15. सिद्धार्थ और पक्षी (चित्रकथा)	60
16. प्यारे बापू (जीवनी)	64
17. धूप (कविता)	68
18. विद्या-प्रेमी बालक (शैक्षिक कहानी)	71
19. आरुणि (पौराणिक कथा)	75
20. गुब्बारे (कविता)	78
21. झूठ का फल (कहानी)	81

मॉडल प्रश्न-पत्र - I

मॉडल प्रश्न-पत्र - II

85

87



1

मुझसे मिलें



मेरा नाम है।



अपना
फोटो लगाएँ

मेरी माता जी का नाम है।

मेरे पिताजी का नाम है।

मेरे भाई / मेरी बहन का नाम है।



अपने परिवार का फोटो लगाइए।

आओ मिलकर दोहरायें - वर्णभाला

2

स्वर

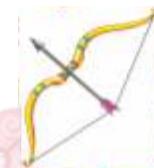
अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः



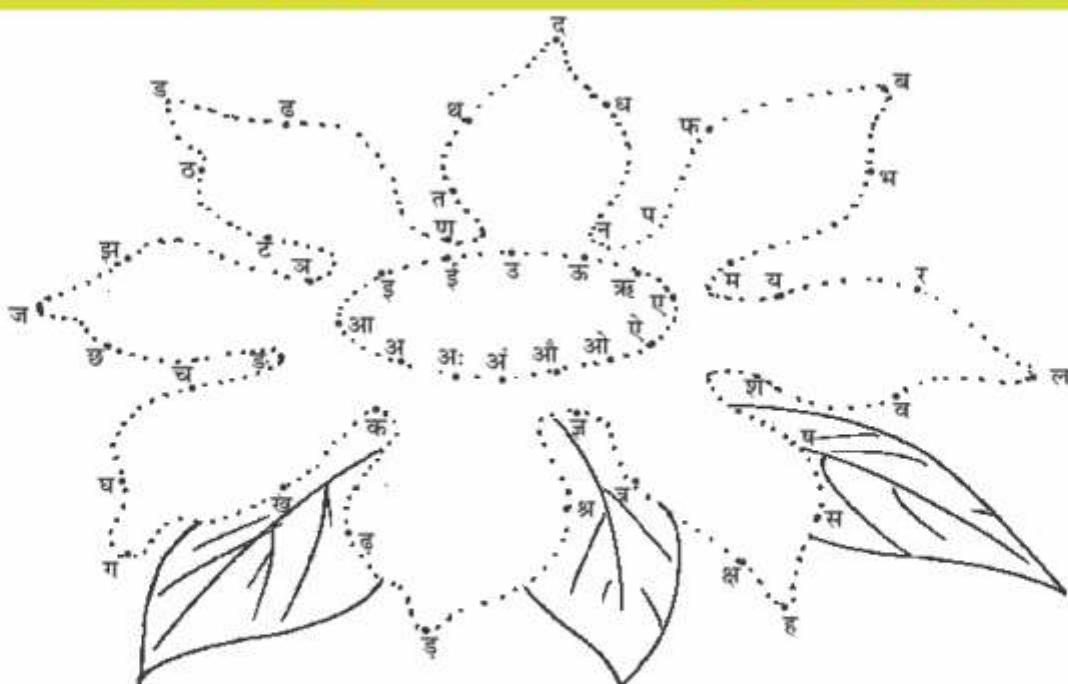
व्यंजन



क	ख	ग	घ	ड	च	छ	ज	ჰ	ञ
ट	ठ	ડ	ଢ	ଣ	ତ	ଥ	ଦ	ଧ	ନ
ପ	ଫ	ବ	ଭ	ମ	ୟ	ର	ଲ	ବ	ଶ
ଷ	ସ	ହ	କ୍ଷ	ତ୍ର	ଜ୍ଞ	ଶ୍ର	ଙ୍ଗ	ଙ୍ଘ	ଙ୍ଘ



बिन्दुओं को जोड़कर चित्र पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए -



दो वर्णों के शब्द

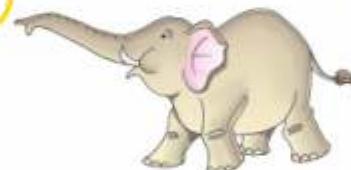
देखिए, बोलिए और सीखिए -



घ + र = घर



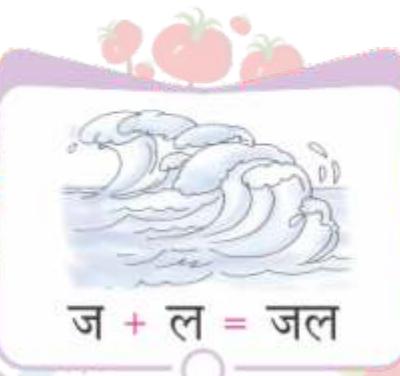
न + ल = नल



ग + ज = गज



न + ट = नट



ज + ल = जल

पढ़िए और बोलिए -

चल

टब

ठग

तन

नर

छत

जल

तब

खग

मन

हर

मत

पल

सब

जग

धन

खर

रत

बल

जब

नग

फन

डर

गत

फल

कब

पग

जन

सर

लत

कल

रब

मग

वन

वर

खत

पढ़िए और लिखिए -

नल पर जल भर । उस बस पर चढ़ । छत पर फल रख । गज पर चढ़ । इस पथ पर चल । यह सब मत कह । वह फल चख कर यह खत पढ़ ।

तीन वर्णों के शब्द

देखिए, बोलिए और सीखिए -



क+म+ल = कमल



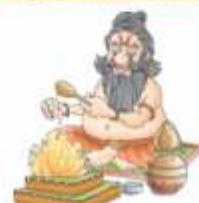
भ+ग+त = भगत



भ+व+न = भवन



च+र+ण = चरण



ह+व+न = हवन

पढ़िए और बोलिए -

सड़क
नमन
चहल
नगर
नमक
गलत

कड़क
मदन
पहल
अगर
दमक
बचत

झटक
वतन
नकल
मगर
चमक
कलश

लटक
रतन
सफल
शहर
पलक
गरम

मटक
बटन
महल
मटर
भटक
रबड़

पढ़िए और लिखिए -

कलम पकड़ कर चला । नमक रगड़ कर रख । कलश सड़क पर रख । वचन
पर अटल रह । मटक कर मत चल । इधर उधर मत भटक । शहद चख ।
नहर पर टहल ।

चार वर्णों के शब्द

देखिए, बोलिए और सीखिए -



थ+र+म+स = थरमस



अ+ज+ग+र = अजगर



ट+म+ट+म = टमटम



क+स+र+त = कसरत



श+ल+ज+म=शलजम

पढ़िए और बोलिए -

उपवन
थलचर
खटपट
सरगम
अचकन
दमकल

गरदन
नभचर
पनघट
चमचम
उबटन
नटखट

उलझन
जलधर
सरपट
सरकस
गड़बड़
पतझड़

बचपन
अवसर
नटखट
अदरक
झटपट
मखमल

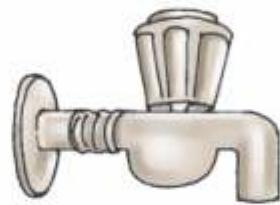
पढ़िए और लिखिए -

उबटन मलकर कसरत कर । अचकन पहनकर अदरक पकड़ । झटपट थरमस इधर रख । बरगद पर चढ़कर अजगर पकड़ । शरबत चख । कटहल इधर रख । सरपट सरकस चल ।

अब आपकी बाटीः



क. चित्र देखकर शब्द पूरा कीजिए -



1. न + =



2. + र =



3. श + + द =



4. + र + त + =

ख. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए -

1. र + ख

=

2. प + थ

=

3. फ + स + ल

=

4. न + य + न

=

5. द + ल + द + ल

=

6. प + र + व + ल

=

ग. शब्दों के वर्णों को अलग करके लिखिए -

1. तरकश = [] + [] + [] + []

2. खटमल = [] + [] + [] + []

3. भगदड़ = [] + [] + [] + []

3

‘अ’ और ‘आ’ की मात्रा

‘अ’ की मात्रा

स्वर ‘अ’ की कोई मात्रा नहीं होती लेकिन यह हर व्यंजन में छिपा होता है।

उदाहरण - क् + अ = क, ख् + अ = ख, ग् + अ = ग

‘अ’ के बिना अक्षर के नीचे हलंत () का चिह्न लगाया जाता है।

देखिए, बोलिए और समझिए -



न् + अ + ल् + अ = नल



क् + अ + ल् + अ + श् + अ = कलश



द् + अ + ल् + अ + द् + अ + ल् + अ = दलदल



- * बच्चों को बताएं कि प्रत्येक व्यंजन में ‘अ’ की ध्वनि होती है। ‘अ’ अलग करने पर ‘क’ को ‘क्’ लिखा जाता है। इसी प्रकार ‘क्’ में ‘अ’ जोड़ने पर ‘क’ लिखा जाता है।
- * बच्चों को क, ख, ग, घ..... का सही उच्चारण सिखाएं। ‘क’ बोलते समय ‘अ’ की ध्वनि स्पष्ट सुनाइ देनी चाहिए। (जैसे- क् ...अ ... अ .. अ)
- * चित्रों में दी गई वस्तु के विषय में जानकारी दें।।

'आ' की मात्रा

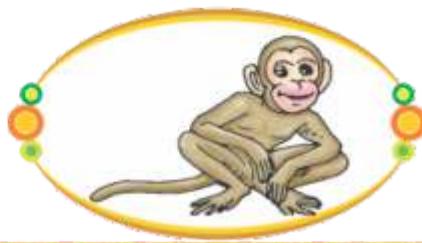
देखिए, बोलिए और सीखिए -



अ् + ट + ग् + अ = आग



र् + ट + ज् + ट = राजा



व् + ट + न् + अ + र् + अ = वानर



भ् + ट + ल् + ट = भाला

पढ़िए और बोलिए -

कान
डाक
रात
काजल
आकाश

कार
ढाल
राम
गाजर
पाठशाला

खाट
तार
शान
चरखा
रामायण

गाल
थाल
हाथ
अनार
जागरण

पढ़िए और लिखिए -

कमला इधर आ। सरला यह माला पहन। माता का कहना मान। अचार मत खा। आज का ताजा समाचार बता। आसमान पर बादल छाया। बाजार जाकर गाजर तथा चावल ला।

अब आपकी छाईः



क. चित्र देखकर शब्द बनाइए -



1.न



2. ट



3. फ.....ल



4. नक



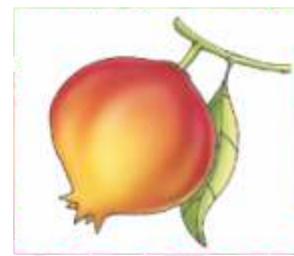
5. चरख.....



6.जर



7. टट.....



8.ना.....



9. म.....

ख. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1. क् + ट + न् + अ = *****

2. ज् + ट + ल् + अ = *****

3. ह + अ + ल् + अ + व् + ट = *****

4. प् + ट + ग् + अ + ल् + अ = *****

5. स् + अ + म् + ट + च् + ट + र् + अ = *****

6. स् + अ + ह + ट + य् + अ + त् + ट = *****



ग. वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए-

1. खाट =
2. याक =
3. चावल =
4. तमाशा =
5. बरतन =
6. कलाकार =

घ. मात्रा लगाकर नया शब्द बनाइए -

1. चर	चार	चरा	चारा
2. जल
3. बल
4. तर
5. मन

ड. सही आवाज से मिलान कीजिए -



4

'इ' की मात्रा



ग् + फ् + ल् + ट् + स् + अ = गिलास



ड् + ट् + क् + फ् + य् + ट् = डाकिया



त् + अ + क् + फ् + य् + ट् = तकिया



च् + फ् + ड् + फ् + य् + ट् = चिड़िया

पढ़िए और बोलिए -

दिन
किरण
खटिया
टिकिया

गिन
निकट
गिलास
ठिकाना

जिन
फिसल
घटिया
डलिया

पिन
फिकर
छलिया
दाखिल

पढ़िए और लिखिए -

दिन निकल आया । तालाब पर हिरन आया । जल पिया । खटिया बिछा ।
तकिया ला । डिबिया ला तथा टिकिया खा ।



स्थिरकृत

बच्चों को बताएं कि जब छोटी 'इ' की मात्रा (f) किसी व्यंजन वर्ण में लगती है तो यह वर्ण के बाईं ओर लगती है ; जैसे -क् + इ (f) = कि । उच्चारण में भी ध्यान रखें कि बोलने में भी 'इ' (f) की मात्रा 'इ' की ही सुनाई दे, 'ई' की नहीं ।

'ई' की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



द् + ै + प् + अ = दीप



छ् + अ + ड् + ै = छड़ी



ल् + अ + ड् + अ + क् + ै = लड़की



म् + अ + छ् + अ + ल् + ै = मछली

पढ़िए और बोलिए -

कील
गली
चालीस
गिलहरी

तीर
घड़ी
दीवार
छिपकली

चील
चली
बीमार
शरमीली

नीम
डरी
बगीचा
नमकीन

पढ़िए और लिखिए -

दीवार काली मत कर।
दीवार पर चढ़कर दीप जला।



शीला नदी पर चल। अपनी बकरी
तथा बछिया ला।



तितली का चित्र

एक लड़की थी । उसका नाम रानी था । वह तितली का चित्र बनाना चाहती थी । वह बाजार गई । वह एक कागज तथा कलम लाई । वह बाग में गई ।



आती तितली । जाती तितली ।
काली, पीली, नीली, तितली ।
हरी, लाल, चमकीली तितली ।

आती तितली । जाती तितली ।
कली-कली पर जाती तितली ।
रस की आस लगाती तितली ।



रानी ने चित्र बना लिया ।
तितली उड़कर कली पर गई ।
रानी तितली तक गई पर
पकड़ न पाई ।

अब आपकी बाटी।



क. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1. म् + फ + द + ट + स् + अ =
2. ध् + अ + न् + फ + यू + ट =
3. न् + अ + क् + अ + ल् + ई =
4. श + ई + त् + अ + ल् + अ =
5. म् + अ + द् + अ + क् + ई =

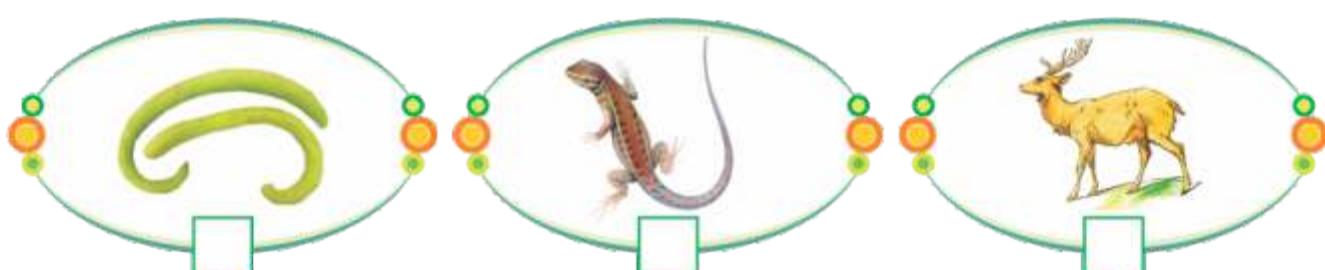
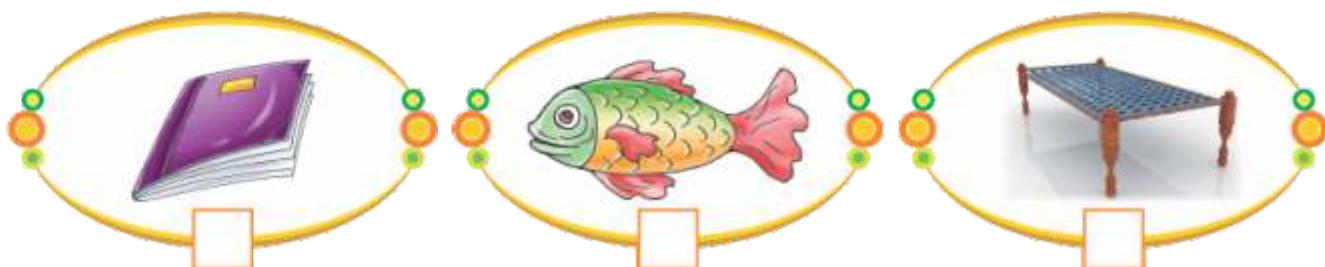
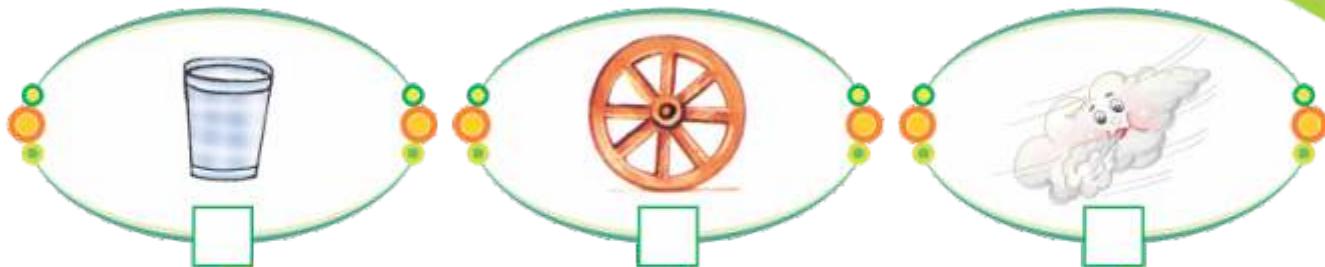
ख. शब्दों को तोड़कर लिखिए -

1. सविता =
2. पहिया =
3. विकास =
4. दीमक =
5. नाशपाती =

ग. सही मात्रा लगाकर नए शब्द बनाइए -

1. दन	=	दिन	दीन
2. मल	=
3. छल	=
4. दया	=
5. खल	=

घ. जिन चित्रों के नाम में 'ी' है उन पर ✓ का चिह्न लगाइए और उनका नाम लिखिए -



ङ: इन अक्षरों से बनने वाले एक-एक शब्द लिखिए -

दि

मी

पी

शी

की

दी

'इ' और 'ई' की मात्रा

• नन्हे हाथों से ।



नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए-



5

'उ' और 'ऊ' की मात्रा

'उ' की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



उ + प् + अ + व् + अ + न् + अ = उपवन



उ + प् + अ + ह + इ + र् + अ = उपहार



ब् + उ + ल् + अ + ब् + ऊ + ल् + अ = बुलबुल



च् + ऊ + ह + फ + य् + इ = चुहिया

पढ़िए और बोलिए -

चुन
कुल
जुलाही
गुलाम
फुलझड़ी

सुन
धुल
धुलाई
गुलाल
मुलायम

बुन
पुल
सुराही
कुदाल
गुमसुम

धुन
खुल
सुपारी
दुकान
गुड़हल

पढ़िए और लिखिए -

सुमित सुबह हुई। दातुन कर। साबुन लगाकर चुपचाप नहा। सुमन अपनी गुड़िया लाई। सुधा, सुषमा, कुमकुम, सुनीता भी आई। गीत गाया। झुनझुना बजाया।

र् + उ = रु - रुक, रुपया, गुरु, करुण

'ऊ' की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



द् + ऊ + ध् + अ = दूध



ख् + अ + र् + ब् + ज् + ई = खरबूजा



म् + ऊ + ल् + ई = मूली



अ + म् + अ + र् + ऊ + द् + अ = अमरुद

पढ़िए और बोलिए -

फूल
आलू
सूरत
मशहूर

धूल
भालू
मूरत
तरबूज

मूल
झाडू
सूरज
शहतूत

धूप
आडू
कसूर
मकबूल

पढ़िए और लिखिए -

दूध पीकर बाहर जा । धूप में जूता पहनकर चल । बाग में झूला झूलकर अमरुद ला । गाजर तथा आलू की भाजी खा । सूरज डूब गया । धूप चली गई । दिन बीता । रात आ गई । अब घर आ ।

र् + ऊ = रू - रूठ रूप अमरुद ज़रूर



शिक्षण संकेत : बच्चों को 'रू' और 'रू' की सही बनावट बताएँ।

अब आपकी बारी।



क. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1. ग् + उ + ड़ + अ =
2. स् + उ + रू + ट + ह + ई =
3. म् + अ + थू + रू + ट =
4. ख् + अ + जू + रू + र + अ =
5. श् + अ + हू + अ + तू + रू + तू + अ =
6. क् + ट + नू + रू + नू + अ =

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

ख. शब्दों को तोड़कर लिखिए -

1. सुबह =
2. गुड़िया =
3. दातुन =
4. तरबूज =
5. खरबूजा =
6. मजबूत =

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

ग. सही वर्ण के नीचे उ(ू) या ऊ(ौ) की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए -

- | | | | |
|-----------|-------|---------|-------|
| 1. पल | | खब | |
| 2. पश | | बरा | |
| 3. सरज | | साबन | |
| 4. सहावना | | बालशाही | |

४. रु या रु लिखकर शब्द पूरे कीजिए -

“सु”	रा	ही
ब		
ह		



दा	न
	म	



....	ई
प	
या	



अ	म	द
	खा		

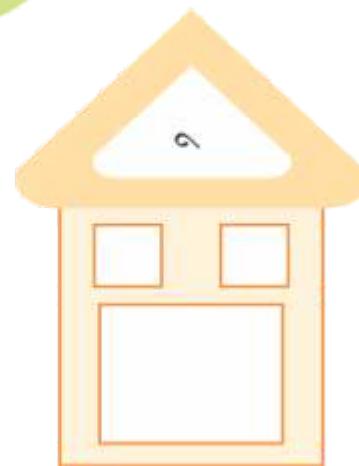


....	ल
टि	



५. शब्द पढ़कर सही घर में लिखिए -

धुरी यमुना
जूता नाखून
तराजू मूसल आलू
बुढ़िया साबुन
दुशाला



6

ऋ की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



म् + ॒ + ग् + अ = मृग



व् + ॒ + क्ष् + अ = वृक्ष

ऋ



ग् + ॒ + ह् + अ = गृह



ऋ + ष् + ि = ऋषि

पढ़िए और बोलिए -

नृप
कृपा
पितृ
अमृत

तृण
कृषि
कृपाल
आकृति

घृत
कृति
नृशंस
ऋतु

ऋचा
मातृ
कृषक
ऋषभ

पढ़िए और लिखिए -

जंगल में एक ऋषि रहते थे। वहीं उनका गृह था। उनके पास एक मृग था। मृग बहुत सुंदर था। एक दिन एक नृप शिकार के लिए आया। उसे मृग बहुत भाया। उसने मृग पर बाण चलाया। ऋषि ने मृत मृग को देखा। ऋषि के पास अमृत था। अमृत पीते ही मृग जी उठा।

अंब आपकी बाटी



क. 'ऋ' की मात्रा लगाकर ठीक शब्द लिखिए -

मग -

गह -

कपा -

वृक्ष -

तण -

कषक -

नप -

घणा -

ख. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए -

वृक्ष

गृह

मृग

कृषक

नृप

1. मैंने अपना कार्य पूरा कर लिया ।



2. बहुत तेज दौड़ता है ।



3. के पास एक वृषभ था ।



4. कोयल पर बैठी है ।



5. ने एक मृग मार दिया ।



7

‘ऐ’ और ‘ऐ’ की मात्रा

‘ए’ की मात्रा

ए

देखिए, बोलिए और सीखिए -



र् + ऐ + ग् + ि + डू + ई = रेलगाड़ी



प् + ऐ + डू + अ = पेड़



ह + अ + थ् + ि + ल् + ई = हथेली



ठ + अ + ठ् + ई + र् + ि = ठठेरा

पढ़िए और बोलिए -

जेल
रेशम
सहेली
मलेरिया

रेल
बेसन
बरेली
लालटेन

खेल
केबल
रेशमा
रेलगाड़ी

फेल
बेलन
करेला
मेहमान

मेल
तेरह
ठठेरा
परेशान

पढ़िए और लिखिए -

मेघा उठ सवेरा हो गया। विद्यालय के लिए कपड़े पहन। बस आ गई। मेघा के मित्र रेशमा, शेरा तथा रमेश घर आए। वे मेला देखने गए। मेले से खेलने के लिए रेलगाड़ी तथा रबड़ की गुड़िया लाए। शाम के समय वे सब वापिस आए। अगले दिन वे सरकस देखने गए।

'ऐ' की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



स् + ऐ + न् + फि + क् + अ = सैनिक



थ् + ऐ + ल् + टि = थेला



ब् + ऐ + ल् + अ + ग् + टि + डू + री = बैलगाड़ी

म् + ऐ + न् + टि = मैना

पढ़िए और बोलिए -

सैर
पैसा
हैवान
डैकैत
नैनीताल

बैर
वैसा
शैतान
लठैत
पैराशूट

पैर
जैसा
पैगाम
दैनिक
वैसलीन

गैस
मैना
फैसला
बैठना
बैजनाथ

कैद
मैला
विषैला
तैराक
टैबलेट

पढ़िए और लिखिए -

शैलजा सैर से वापस आकर चैन से बैठ। पैदल चलकर थैले में मैदा ला। सैनिक कैलाश पर चढ़ रहा है। लठैत ने लाठी चलाई और सब डरकर भाग गए। शैतान लड़के की खूब पिटाई हुई। जैसी करनी वैसी भरनी। कैदी को जेल भेज दिया गया। तैराक ने तैरकर नदी पार की।

अब आपकी बाईः



क. चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए -

1. छूट जाएगी ।
2. मेघा एक लाई ।
3. से चाय निकाल कर ला ।
4. एक नैया पर आकर बैठ गई ।
5. वह सैनिक भी था ।



ख. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

- | | | |
|-----------------------------|---|-------|
| 1. प् + अ + ह + ि + ल + ि | = | |
| 2. क् + अ + रु + ि + ल + ि | = | |
| 3. रु + ि + श + अ + म् + ि | = | |
| 4. तु + ि + रु + ि + क् + अ | = | |
| 5. क् + ि + म् + अ + रु + ि | = | |
| 6. इ + अ + क् + ि + तु + अ | = | |

.....
.....
.....
.....
.....
.....

ग. शब्दों को तोड़कर लिखिए -

- | | | |
|-------------|---|-------|
| 1. बटेर | = | |
| 2. सफेद | = | |
| 3. लालटेन | = | |
| 4. हैरान | = | |
| 5. खिवैया | = | |
| 6. हैदराबाद | = | |

.....
.....
.....
.....
.....
.....

घ. सही मात्रा लगाकर शब्द पूरा कीजिए और उनका चित्रों से मिलान कीजिए -



सनिक



मज़



कला



बल



शर



आरत



कमरा



बलन



मना



ठठरा

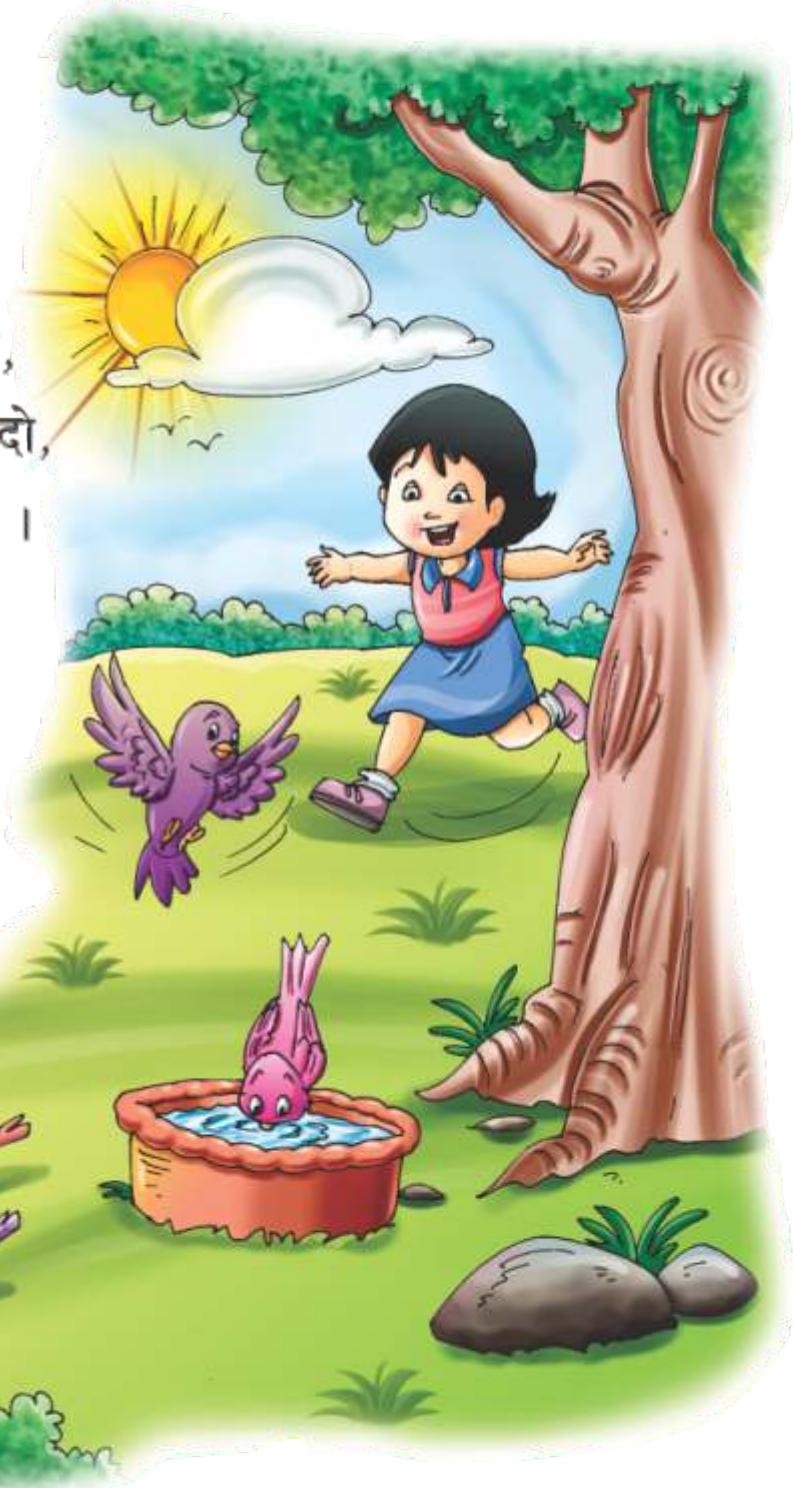


चिड़िया रानी! चिड़िया रानी!
आओ, बैठो, सुनो कहानी।

मेरे आँगन में आ जाओ,
बिखरे दाने चुन-चुन खाओ,
फुदक-फुदक तुम नाचो-कूदो,
प्यास लगे तो पी लो पानी।

सखी-सहेली तुम बन जाओ,
साथ रहो तुम गीत सुनाओ,
मुझको भी उड़ना सिखलाओ,
तुम तो हो जानी पहचानी।

-श्यामला कांत वर्मा

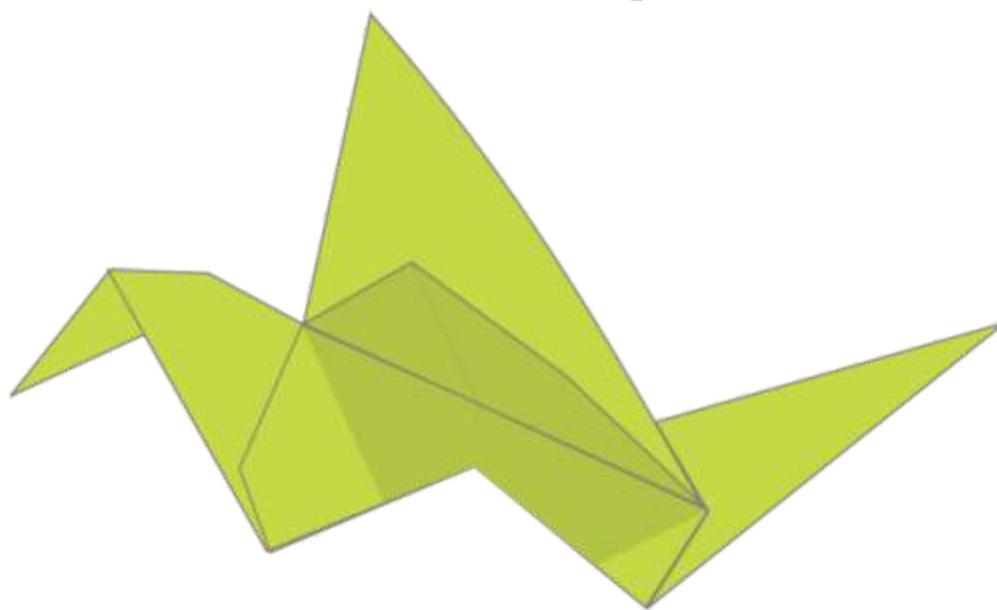


नन्हे हाथों से



आओ चिड़िया बनाएँ-
हमें चाहिए-

1. मोटा कागज (पुराना ग्रीटिंग कार्ड ले सकते हैं।)
2. गोंद या फेवीकॉल
3. कैंची
4. रंगीन पेंसिलें
5. माचिस की खाली डिब्बी
6. मोती/घुँघरू 8-10



7. मोटे कागज को दोहरा मोड़कर रंगीन पेंसिल से चिड़िया का चित्र बना लें।
8. कैंची से चित्र काट लें। बीच से जुड़ा रहने दें।
9. चौंच भी काट लें।
10. एक माचिस की डिब्बी में घुँघरू डाल लें। चिड़िया के दोनों भागों के बीच में डिब्बी को फेवीकॉल से चिपका दें।
11. रुनझुन करती चिड़िया तैयार है।

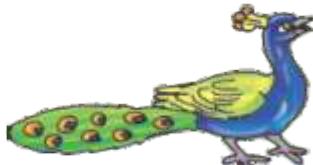
8

‘ओ’ तथा ‘औ’ की मात्रा

‘ओ’ की मात्रा



देखिए, बोलिए और सीखिए -



म् + ओ + र् + अ = मोर



र् + ओ + ट् + ई = रोटी



ल् + ओ + म् + अ + ड् + ई = लोमड़ी



ख् + अ + र् + अ + ग् + ओ + श् + अ = खरगोश

पढ़िए और बोलिए -

चोर
मोटी
समोसा
अखरोट

शोर
भोगी
भरोसा
पड़ोसन

गोल
रोगी
रसोई
मनोरमा

पोल
जोगी
टोकरी
दालमोठ

पढ़िए और लिखिए -

सोहन उठो सवेरा हो गया। तोता बोलने लगा। कोयल कूहकने लगी। बरखा देखकर मोर नाचने लगा। मोरनी पिहू - पिहू करने लगी। सोहन मोर को नाचता देखकर खुश हुआ। होली आई। सोहन, मोहन, रोहन आओ। होली की धूम मचाओ। देखो मोना डरकर भागी।

'ओ' की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -

ओै



प् + ओ + ध् + ि = पौधा



प् + अ + क् + ओ + ड् + ि = पकौड़े



ग् + ओ + र् + ि + य् + ि = गौरैया

त् + ओ + ल् + ि + य् + ि = तौलिया

पढ़िए और बोलिए -

नौका
चौकोर
चौधरी
ओलाद

कौआ
ओज़ार
गौशाला
गौरव

कौड़ी
ओषध
हथौड़ी
खिलौना

चौका
चौखट
ओरत
बिछौना

पढ़िए और लिखिए -

गौरी और गौरव के घर मौसी - मौसा जी आए। मौसा जी खिलौने लाए। मौसी जी ने एक पौधा दिया। गौरी ने पौधा बाहर चौकी पर रखा। मौसा-मौसी को पकौड़े और कचौड़ी खिलाओ। नौकर बिछौना लाया है। गौरी और गौरव की मौज हो गई।



बच्चों को 'ओ' की मात्रा (ो) वाले शब्दों का उच्चारण करवाते समय मात्रा पर विशेष ध्यान दें। 'ओ' की मात्रा के स्पष्ट उच्चारण को बार-बार दोहराएँ। 'ओ' तथा 'ओ' की मात्राओं के उच्चारण में क्या अंतर है, यह भी स्पष्ट करें; जैसे - लोटा / लौटा।

अब आपकी बाधी



क. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1. क् + औ + श् + अ + ल् + अ =
2. न् + औ + क् + अ + र् + अ =
3. ब् + औ + त् + अ + ल् + अ =
4. क् + औ + य् + अ + ल् + अ =
5. च् + औ + क् + औ + द् + ई + र् + अ =
6. अ् + औ + ख् + अ + ल् + औ =

.....
.....
.....
.....
.....
.....

ख. शब्दों को तोड़कर लिखिए -

1. दोपहर =
2. पकौड़ी =
3. चौबीस =
4. मोहन =
5. जौनपुर =
6. खिलौना =

.....
.....
.....
.....
.....
.....

ग. सही वर्ण पर 'ौ' और 'ौ' की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए -

- | | |
|----------------|-------------------|
| 1. कयल = | 6. चकीदार = |
| 2. मटा = | 7. नजवान = |
| 3. सना = | 8. गलाकार = |
| 4. पधा = | 9. दपहर = |
| 5. फजी = | 10. समवार = |

.....
.....
.....
.....
.....

छ. नीचे लिखे शब्दों में 'ौ' की मात्रा लगाकर नया शब्द बनाइए -

- | | | | |
|---------|-------|---------|-------|
| 1. खोल | खौल | 4. शोक | |
| 2. गोरी | | 5. ओर | |
| 3. कोन | | 6. लोटा | |

ड. अचित शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए -

नौकर, पौधा, फौजी, लौकी, खिलौना

1. सोहन के पिताजी ने बनाया।
2. बाज़ार से लौकी खरीदकर लाया।
3. मौसी जी ने का हलवा बनाया।
4. हमारी सुरक्षा करता है।
5. मोहन ने आंगन में एक लगाया।



च. इस जाल में छह शब्द छिपे हैं। उन्हे ढूँढिए -

मो	ना	सो	ह	न
र	मो	कु	तो	ता
क	ह	ना	को	हे
मू	न	ज	य	पो
रु	र	गो	ल	जा

तीन शब्द
बच्चों के नाम हैं।



तीन शब्द
पक्षियों के नाम हैं।

अनुस्वार तथा अनुनासिक का चिह्न

अनुस्वार का चिह्न

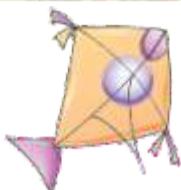
देखिए, बोलिए और सीखिए -



प् + ̄ + ख् + अ = पंख



झ् + ̄ + इ् + आ = झंडा



प् + अ + त् + ̄ + ग् + अ = पतंग



ब् + ̄ + द् + अ + र् + अ = बंदर

पढ़िए और बोलिए -

कंठ
कंधा
जंगल
तिरंगा

अंग
गंगा
कंकड
सिंदूर

अंश
पंखा
संगम
घोंसला

खंड
डंडा
मंगल
मेंढक

पढ़िए और लिखिए -

मंगल अपने कंठ में माला डाल। हाथी मंद-मंद गति से चल रहा है। लंगूर को अंगूर बहुत पसंद हैं। मंत्री ने संतरी को कंकर मारकर जगाया। लंगूर जंगले के ऊपर से कूदकर जंगल में भाग गया।



शिक्षण
चृक्षेत्र

बच्चों को 'अं' (̄) वाले शब्दों के उच्चारण का प्रयाप्त अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बोल-बोलकर उनके उच्चारण का अभ्यास करवाते समय यह ध्यान दिलाएँ कि इस मात्रा का उच्चारण करने में किस प्रकार नासिका की सहायता ली जाती है।

अनुनासिक (चंद्र बिंदु) का चिह्न

देखिए, बोलिए और सीखिए -



स् + ां + प् + अ = सांप



ऊ + ां + ट् + अ = ऊट



ब् + ां + स् + ऊ + र् + ि = बाँसुरी



अ + ां + ख् + अ = आँख

पढ़िए और बोलिए -

यहाँ
आँच
तालियाँ
अँगड़ाई

वहाँ
काँच
नदियाँ
महँगाई

कहाँ
कुँआ
पहाड़ियाँ
शाहजहाँ

जहाँ
दाँत
झाड़ियाँ
हँसमुख

पढ़िए और लिखिए -

चाँद रात्रि को चमकता है। आँखों की रक्षा के लिए अंजन डालो। टाँग पीछे करो। पानी की बूँदों से चाँदनी के कपड़े भीग गए। हाथ मुँह धोकर मूँग की दाल से रोटी खा। दातुन से दाँत साफ कर।



शिक्षण
कृष्ण

चंद्र बिंदु से बने इन शब्दों का उच्चारण कक्षा में करवाएँ। शब्दों को शुद्ध उच्चारण सहित बार-बार दोहराएँ। '—' तथा '—' के उच्चारण की ध्वनि का अंतर स्पष्ट करते हुए स्वयं उच्चारण करें और बच्चों से भी उच्चारण करवाएँ।

अंब आपकी बाटी



क. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए -

1.  कुएँ से बाहर आ गया।
2.  धीरे-धीरे चलता है।
3. मेरे दूध के  टूट गए हैं।
4. हमारा  तिरंगा है।

ख. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

- | | | |
|--------------------------------------|---|-------|
| 1. च् + फ + झ + फ + य् + ा | = | |
| 2. घ् + ऊं + घ् + अ + ट् + अ | = | |
| 3. श् + उं + ख् + अ | = | |
| 4. स् + उं + ग् + अ + म् + अ | = | |
| 5. म् + ऊं + द् + फ + र् + अ | = | |
| 6. स् + अ + ह + ऊं + ल् + फ + य् + ा | = | |

ग. वर्णों को तोड़कर लिखिए -

- | | | |
|-----------|---|-------|
| 1. कंकड़ | = | |
| 2. सुंदर | = | |
| 3. चंचल | = | |
| 4. आँचल | = | |
| 5. चाँदनी | = | |
| 6. पहुँच | = | |

४

सही वर्ण पर '—' या '—' लगाइए -

- | | | | |
|-------------|----------------|-------------|-------|
| 1. चदा |चंदा..... | 5. जगल | |
| 2. अगरक्षक | | 6. आवला | |
| 3. शाहजहा | | 7. कावडिया | |
| 4. पहाड़िया | | 8. रग-बिरगा | |

डू. सही शब्द चुनकर नीचे लिखे वाक्यों में लिखिए -

पढँगा, जाऊँगा, गाऊँगी, देखूँगा, खाऊँगी, बोलूँ

1. मैं अब स्कूल



2. मैं आपसे क्या



3. मैं आपके साथ खाना

4. इस बार मैं अच्छा गीत



5. आज मैं घर जाकर

6. आज मैं कार्टून मूवी

10

अन्य मात्राएँ एवं चिह्न विसर्ग चिह्न

देखिए, बोलिए और सीखिए -



प्रातः



नमः

छः

दुःख

स्वतः

पढ़िए और बोलिए -

अतः

पुनः

अंततः

प्रायः

शनैः शनैः

फलतः

पढ़िए और लिखिए -

प्रातः सूरज निकल आया। राम सुबह छः बजे उठ। उठकर ईश्वर को नमः कर। किसी को दुःख मत दो। निःसंकोच होकर पुनः अपनी बात कहो। शनैः शनैः आगे बढ़ो।

नुकता चिह्न (.)

'ज' को ज़ कर देता है।

'फ' को फ़ कर देता है।

ज - जग, जन, जीत, जीभ

ज़ - ज़बान, जहाज़, ज़मीन, ज़मीदार

फ - फल, फूल, फरेब, फैला

फ़ - फ़ायदा, फ़तह, सफ़र, फ़िजूल

'ड' को ड़ कर देता है।

'ढ' को ढ़ कर देता है।

ड - डाल, डमरू, डरपोक, डाली

ड़ - बड़ी, साड़ी, घोड़ा, रोड़

ढ - ढेला, ढीला, ढक्कन, ढपली

ढ़ - चढ़ना, बढ़ना, गढ़ना, पढ़ना

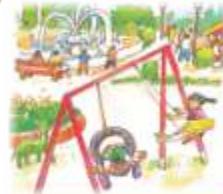
शिक्षण संकेत : बच्चों को बताएँ कि विसर्ग चिह्न (:) का उच्चारण 'ह' से मिलता-जुलता है।

र - रेफ़ की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



सर्प



पार्क



पर्स

पढ़िए और बोलिए -

गर्म
कार्य
पर्यटक

खर्च
नर्तक
आर्कषक

धर्म
खर्चाला
दार्शनिक

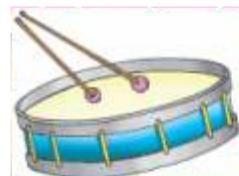
फर्श
जुर्माना
आशीर्वाद

प - पदेन की मात्रा

देखिए, बोलिए और सीखिए -



ग्रह



ड्रम

पढ़िए और बोलिए -

ब्रश
उम्र
ट्राम

क्रम
ग्राम
राष्ट्र

प्रण
प्राण
ड्रामा

प्रेम
ध्रुव
ट्रैक्टर



रेफ़ और पदेन की मात्रा से बने शब्दों का सही उच्चारण करवाएं। वच्चों को बताएँ कि रेफ़ और पदेन की मात्रा अक्षर पर किस अवस्था में लगाते हैं। जैसे - पदेन के लिए क् + र = क्र (क्रम, वक्र) तथा रेफ़ के लिए - र + क् = कं (तर्क, फक्त)

आ (ঁ) ধ্বনি কা প্ৰযোগ

দেখিএ, বলিএ আৰু সীখিএ -



বাঁল



কাঁপি



ডাঁক্টর



চাঁক

পঢ়িএ আৰু লিখিএ -

জোন কল বারিশ মেঁ ভীগ গয়া থা।
আজ তসে তেজ বুখার হৈ। তসকে
দাদা জী নে তসে দেখনে কে লিএ
ড়োক্টর কো বুলায়া হৈ। সৰ্দী সে
বচানে কে লিএ জোন কো শোল
উদ্ধায়া গয়া হৈ। জোন কী বহন
ড়ালী নে নীলা ফোঁক পহন রখা
হৈ। তসে বাঁল সে খেলনা
বহুত পসং দ হৈ।



শিখণ্ড সূচৈৰ

কিসী অক্ষর পৰ 'ঁ' লগনে পৰ 'আ' কী ধ্বনি আতি হৈ। যহ অধিকতৰ অংগৃজী কে শব্দোঁ মেঁ লগায়া জাতা
হৈ। বচ্চোঁ কো এসে শব্দোঁ কা সহী উচ্চারণ কৰাএঁ।

अब आपकी बाई



क. निम्न शब्दों में विसर्ग (:) का चिह्न लगाइए -

1. क्रमश

.....

6. प्रातकाल

.....

2. छि

.....

7. नम

.....

3. संभवत

.....

8. फलत

.....

4. अंतत

.....

9. अत

.....

5. शनै

.....

10. पुन

.....

ख. निम्न शब्दों में रेफ की मात्रा (°) लगाइए -

1. अपण

.....

5. नस

.....

2. कम

.....

6. सदी

.....

3. माग

.....

7. कक्ष

.....

4. शाक

.....

8. गजन

.....

ग. निम्न शब्दों में पदेन की मात्रा (/) -

1. कम

.....

6. दव

.....

2. अग

.....

7. पाण

.....

3. नमता

.....

8. तीव

.....

4. टाम

.....

9. राष्ट

.....

5. पेम

.....

10. टक

.....

11

संयुक्त अक्षर, द्वित्व व्यंजन

तथा संयुक्त व्यंजन

संयुक्त अक्षर

जब दो व्यंजन इस प्रकार प्रयुक्त हों कि उनके बीच कोई स्वर न आए तो उन्हें 'संयुक्त अक्षर' कहा जाता है।

संयुक्त अक्षर (क्ष, त्र, ज्ञ, श्र)

$$क् + ष् + अ = \text{क्ष}$$

कक्षा



क्षमा

रक्षा

क्षत्रिय

पक्षी

रक्षक

क्षणिक

$$ज् + ज् + अ = \text{ज्ञ}$$

यज्ञ



ज्ञान

आज्ञा

विज्ञान

ज्ञानी

$$त् + र् + अ = \text{त्र}$$

पत्र

मित्र

त्रिकोण

त्रिभुज



शत्रु

चरित्र

त्रिदेव

पत्रिका

पत्रकार

पत्राचार

$$श + र् + अ = \text{श्र}$$

श्रवण



श्रीमान

श्रम

श्रीमती

श्रमिक

श्री

आश्रम

द्वितीय व्यंजन

क् + क् + अ	=	कक	-	पक्का, धक्का, चक्का, मक्का
च् + च् + अ	=	च्च	-	सच्चा, बच्चा, कच्चा
ट् + ट् + अ	=	टट	-	खट्टा, पट्टा
त् + त् + अ	=	त्त	-	गत्ता, छत्ता, पत्ता, कुत्ता
म् + म् + अ	=	म्म	-	चम्पच, अम्मा
न् + न् + अ	=	न्न	-	गन्ना, पन्ना, अन्न
द् + द् + अ	=	द्द	-	गद्दा, चद्दर, भद्दा
प् + प् + अ	=	प्प	-	पप्पू, चप्पू, गप्पू
ल् + ल् + अ	=	ल्ल	-	दिल्ली, बिल्ली, खिल्ली
स् + स् + अ	=	स्स	-	रस्सा, किस्सा, गुस्सा

संयुक्त व्यंजन

क् + त् + अ	=	क्त	-	भक्त, रक्त
क् + य् + अ	=	क्य	-	क्या, क्यों
ब् + ल् + अ	=	ब्ल्ल	-	बुड्ढा, गड्ढा
द् + व् + अ	=	द्व	-	द्वारा, द्वेष
न् + ल् + अ	=	न्ह	-	नन्हा, कान्हा
च् + छ् + अ	=	च्छ	-	अच्छा, गुच्छा
त् + य् + अ	=	त्य	-	नत्य, सत्य
द् + ध् + अ	=	द्ध	-	युद्ध, शुद्ध
ल् + म् + अ	=	ह्म	-	ब्रह्मा, ब्रह्मांड
प् + त् + अ	=	प्त	-	प्राप्त, समाप्त
द् + य् + अ	=	द्या	-	विद्या, विद्यालय

12

(खंड - 2)

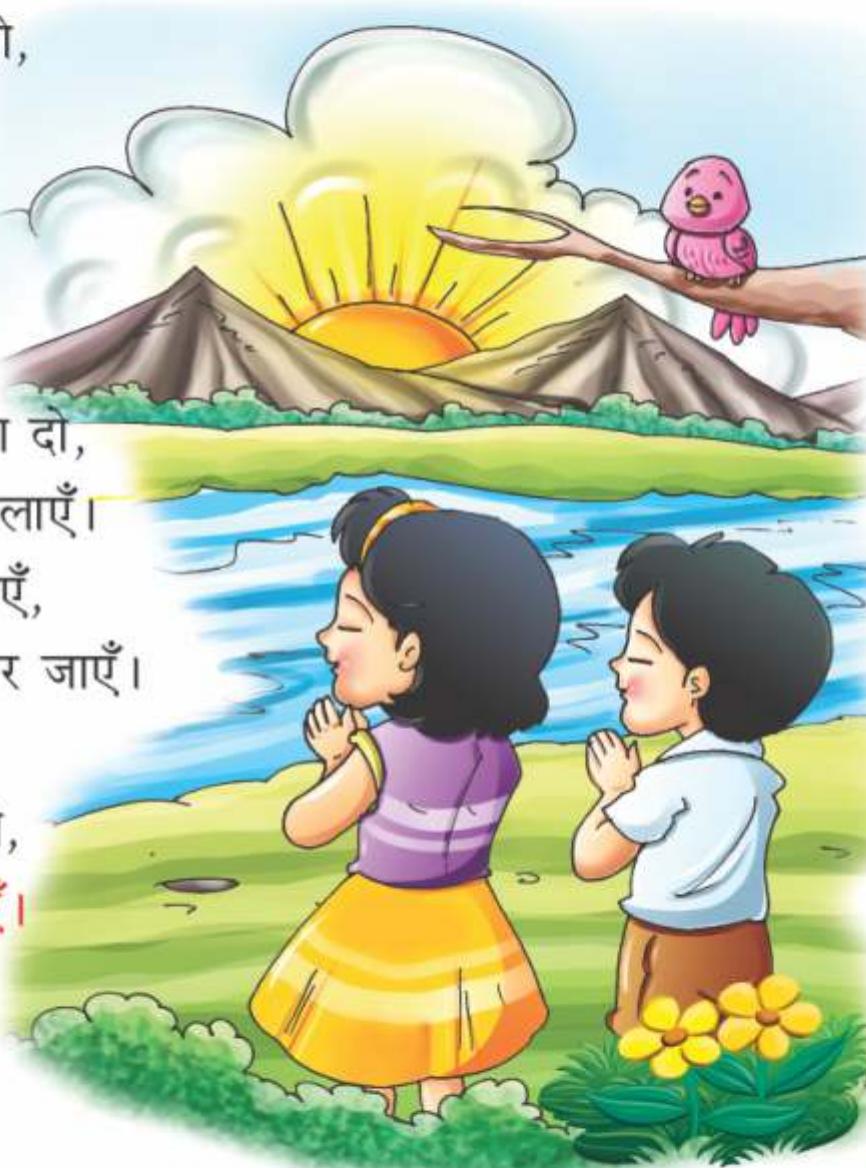
प्रार्थना

(प्रस्तुत कविता में ईश्वर से लोक कल्याण और मानवता की सेवा करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की गई है।)

प्रभु हमें तुम फूल बना दो,
जिससे हम हँस पाएँ।
दुखों से न घबराएँ,
आगे ही बढ़ते जाएँ।

प्रभु हमें तुम सूर्य बना दो,
जिससे हम रोशनी फैलाएँ।
अँधियारे को दूर भगाएँ,
दुनिया को जगमग कर जाएँ।

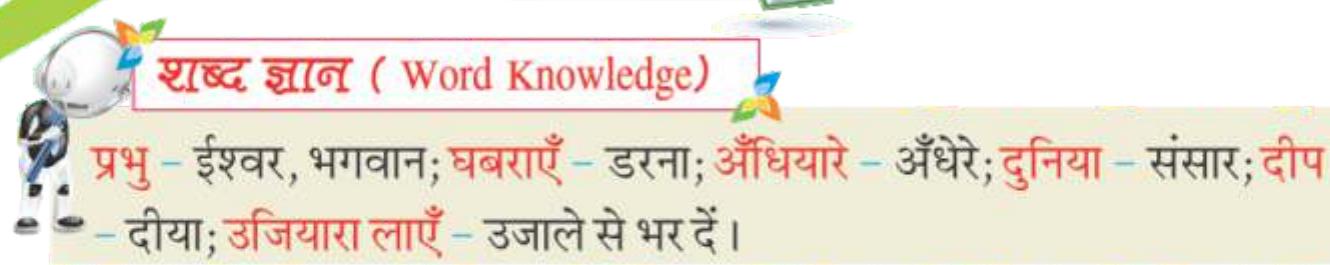
प्रभु हमें तुम दीप बना दो,
जिससे हम उजियारा लाएँ।
अपने बारे में न सोचें,
औरें पर हम मिट जाएँ।



हमें प्रतिदिन प्रभु की प्रार्थना करनी चाहिए।

पाठ से

शब्द ज्ञान (Word Knowledge)



प्रभु - ईश्वर, भगवान्; घबराएँ - डरना; अँधियारे - अँधेरे; दुनिया - संसार; दीप - दीया; उजियारा लाएँ - उजाले से भर दें।



सम्यूक्त नमूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. कवि फूल क्यों बनना चाहता है?
2. कवि सूर्य क्यों बनना चाहता है?
3. कवि दीया क्यों बनना चाहता है?

ख. सही शब्द द्वारा वाक्य पूरे कीजिए -

1. हमें से घबराना नहीं चाहिए। (सुखों/दुःखों)
2. सूर्य को दूर भगाता है। (अंधेरे/उजाले)
3. दीप दुनिया को कर देता है। (अंधकारमय/जगमग)

ग. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. फूल
2. सूर्य
3. दीप

घ. पाठ से समान तुक वाले शब्द छाँटिए -

पाएँ - जाएँ;

श्राष्टा ज्ञान (Language Knowledge)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. कवि फूल क्यों बनना चाहता है?
2. कवि सूर्य क्यों बनना चाहता है?
3. कवि दीया क्यों बनना चाहता है?

.....
.....
.....
.....

बना

ख. सही शब्द द्वारा वाक्य पूरे कीजिए -

1. हमें से घबराना नहीं चाहिए।
2. सूर्य को दूर भगाता है।
3. दीप दुनिया को कर देता है।

(सुखों/दुःखों)

(अंधेरे/उजाले)

(अंधकारमय/जगमग)

ग. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. फूल
2. सूर्य
3. दीप

भौतिक (Oral)

घ. पाठ से समान तुक वाले शब्द छाँटिए -

पाएँ - जाएँ;

पढ़िए, समझिए और



परियोजना कार्य (इदयामृदेव)



1. ब् + =

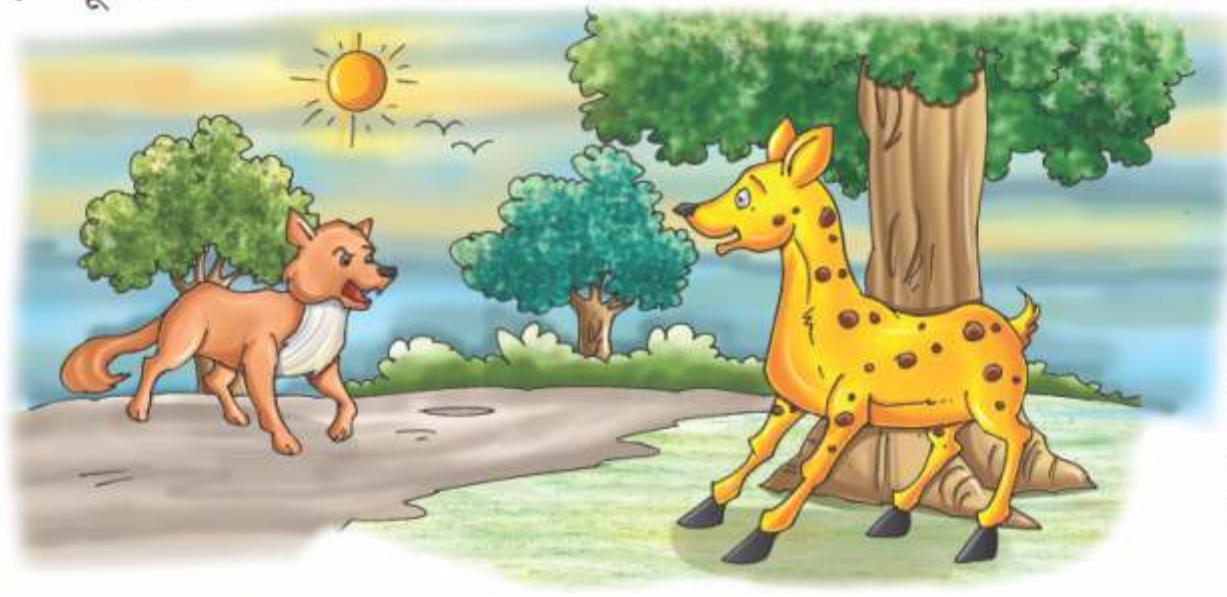
2. अ + इ + ग् + ' =

शिक्षण संकेत : बच्चों को ऐसे उदाहरण बताएँ जो अपने जीवन की चिंता न करके देश और समाज की भलाई करते हैं।

तीसरा कौन

13

दोपहर का समय था। एक हिरन एक पेड़ की छाया में खड़ा था। तभी उसे दूर से आता हुआ एक भेड़िया दिखाई पड़ा। हिरन ने डरकर भागना चाहा। भेड़िया बोला, “डरो मत। मुझे बहुत गर्मी लग रही है। मैं तुम्हारे पास छाया में खड़ा होना चाहता हूँ।”



हिरन ने सोचा, “भेड़िया पास आया तो मुझ पर हमला कर सकता है।”

भेड़िया मीठी-मीठी बातें बनाता हुआ बोला, “भागो मत भैया। यहाँ छाया में बैठकर दोनों बातें करेंगे।”

हिरन ने अपने मन में कुछ सोचा। फिर बोला, “हाँ, हाँ क्यों नहीं? छाया में बैठकर दोनों नहीं तीनों मजे में बातें करेंगे।”

भेड़िए ने पूछा, “यह तीसरा कौन है?”

दोपहर का समय था। एक हिरन एक पेड़ की छाया में खड़ा था। तभी उसे दूर से आता हुआ एक भेड़िया दिखाई पड़ा। हिरन ने डरकर भागना चाहा। भेड़िया



पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)



समय = वक्त; मित्र = दोस्त; ज़रूरी = आवश्यक



सम्यक नूल्यांकन (Summative Assessment)



लिखित (Writing Skills) ≡

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. हिरन को दोपहर में कौन आता दिखाई दिया?
2. भेड़िया हिरन से क्या बोला?
3. हिरन ने अपनी जान बचाने के लिए क्या किया?
4. भेड़िया क्या कहकर भागा?
5. कौन अधिक चालाक निकला?

ख.

उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

1. हिरन पेड़ की में खड़ा था। (आड़/छाया)
2. तीसरा है मेरा शेर। (मित्र/शत्रु)
3. हिरन ने अपने में कुछ सोचा। (दिमाक/मन)
4. भेड़िया शेर का नाम सुनकर लगा। (काँपने/हँसने)
5. हिरन से लेट गया। (आराम/बेचैनी)

ग. कहानी में जो बात नहीं है, उस पर ✓ का चिह्न लगाएँ-

1. एक भेड़िया हिरन के पास आया।
2. हिरन ने उसे डाँटा।
3. हिरन ने शेर की आने की बात कही।
4. तब भेड़िया हिरन से लड़ने लगा।



घ. किसने कहा?

1. मुझे बहुत गर्मी लग रही है।
2. भागो मत भैया।
3. हाँ, हाँ क्यों नहीं?
4. यह तीसरा कौन है?
5. उससे मिलकर तुम्हें बहुत मज़ा आएगा।

आषा झान (Language Knowledge)

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे- राम, बैट, दिल्ली, बचपन।

पाठ में आए हुए संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए-

.....
.....



दर्चनात्मक भूल्यांकन (Formative Assessment)

उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)

दोपहर, गर्मी, भैया, मित्र, हमला, ज़रूरी

मैंसिविक (Oral)

1. जंगल में पहले कौन था ?
2. हिरन क्यों भागना चाहता था ?
3. हिरन किसकी छाया में लेटा ?

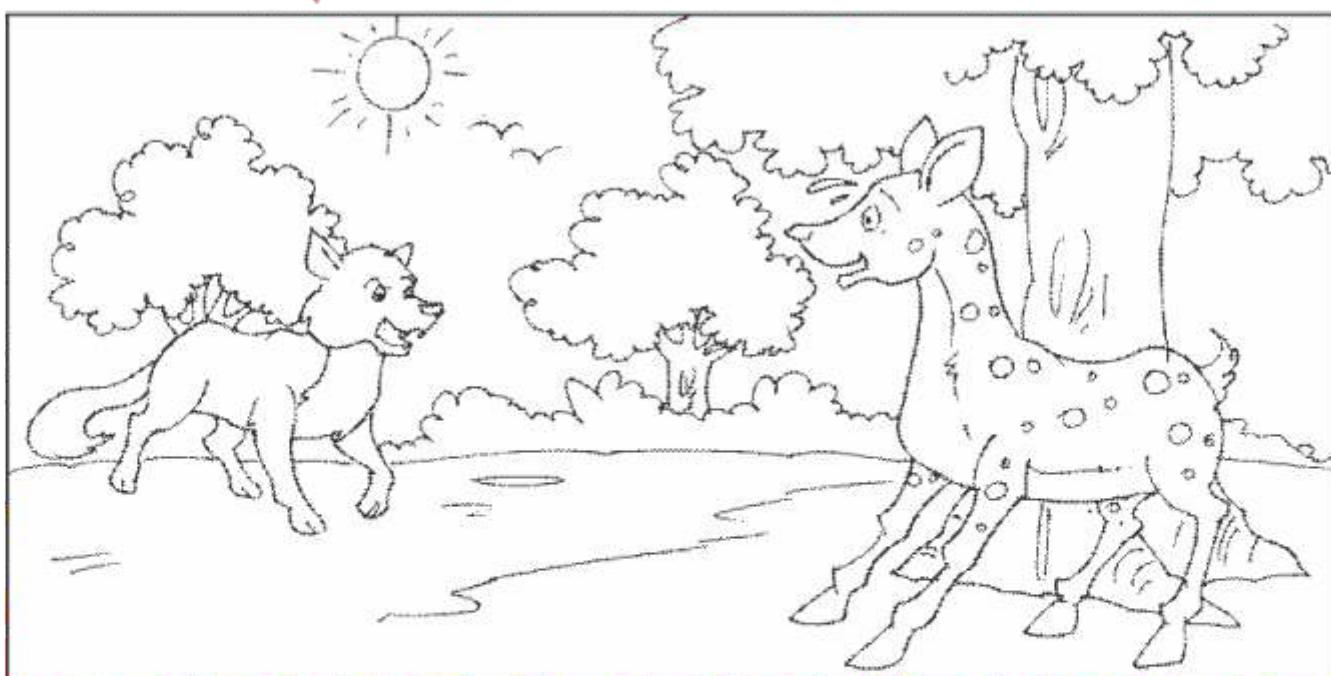
श्रुतलेखन (Dictation)

खड़ा, छाया, डरकर, बैठकर, मज़ा, काँपना



परियोजना कार्य (Project Work)

चित्र में रंग भरिए :



सिक्षण संकेत : बच्चों को बताएँ कि उन्हें कठिन परिस्थितियों में किस प्रकार साहस से काम लेना चाहिए।

माली काका

14

एक थे माली काका । बगीचे में पौधा लगा रहे थे । उसी समय उस नगर का राजा उधर से जा रहा था । राजा भेष बदलकर जनता का हाल जानने निकला था ।



राजा ने देखा कि माली काका ने बड़ी **लगन** से पौधा लगाया । वह बूढ़े हो चले थे, फिर भी पौधा लगा रहे थे । यह देखकर राजा को आश्चर्य हुआ । मन ही मन वह सोचने लगे- कब यह पौधा बड़ा होगा, कब यह फल देगा ? जब फल देगा तब तक क्या माली ज़िंदा रहेगा ?

राजा माली काका के पास पहुँचा और उनसे पूछा, “तुम किस चीज़ का पौधा लगा रहे हो ? ”

माली काका ने जवाब दिया, “आम का । ”

राजा ने पूछा, “इस पर फल कब लगेंगे ? ”

माली काका ने छोटा-सा उत्तर दिया, “दस वर्षों के बाद।”

राजा ने फिर पूछा, “क्या तुम इतने दिनों तक **जीवित** रह पाओगे?”

माली काका ने जवाब दिया, “नहीं, लेकिन मेरे बेटे-बेटियाँ और नाती-पोते तो इसके फल खाएँगे।”

राजा कुछ और पूछता, उसके पहले ही माली काका ने हँसकर कहा, “अरे भाई! मैं भी तो अब तक अपने बाप-दादा के लगाए पेड़ों के फल खा रहा हूँ। वह देखो, वह जो अमरुद का पेड़ है, उसे मेरे दादा जी ने लगाया था”

राजा मन-ही-मन प्रसन्न होकर लौट गया। अगले दिन उसने माली काका को दरबार में बुलाया और ढेर सारे इनाम दिए।



संदेश

जो दूसरों की भलाई के बारे में सोचता है, वह महान होता है।



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)

भेष - वेश; जीवित - ज़िंदा; लगन - पूरा मन लगाकर



सम्यूक्त नमूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- बगीचे में पौधा कौन लगा रहा था?
- राजा भेष बदलकर क्यों जा रहा था?
- राजा को आश्चर्य क्यों हुआ?
- राजा ने माली से क्या पूछा?

ख.

उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

प्रसन्न, दरबार, पौधा, जीवित

1. माली काका लगा रहे थे।
2. क्या तुम इतने दिनों तक रह पाओगे ?
3. राजा मन-ही-मन होकर लौट गया।
4. राजा ने माली काका को में बुलाया।

ग. किसने कहा?

1. तुम किस चीज़ का पौधा लगा रहे हो ?
2. मेरे बेटे-बेटियाँ और नाती-पोते तो इसके फल खाएँगे।
3. क्या तुम इतने दिनों तक जीवित रह पाओगे ?

भाषा ज्ञान (Language Knowledge)



चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए-

जिससे एक का ज्ञान होता है, वह

एकवचन कहलाता है।

जैसे- लड़का, पौधा।



जिससे एक से अधिक का ज्ञान होता है, वह **बहुवचन** कहलाता है।

जैसे- लड़के, पौधे।

पढ़िए, समझिए और लिखिए-

बगीचा

...बगीचे...

बेटा

.....

बुद्धा

.....

पोता

.....

बेटी

.....

बच्चा

.....



दर्शनात्मक भूल्यांकन (Formative Assessment)

उच्चारण अभ्यास (Pronunciation) ■■■

बगीचे, पौधा, जनता, आश्चर्य, ज़िंदा, दरबार

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions) ■■■

सही उत्तर पर ✓ का चिह्न लगाइए-

1. भेष बदलकर नगर में आया-

चोर पुलिस राजा

2. पौधा लगा रहा था-

किसान माली मजदूर

श्रुतलेखन (Dictation) ■■■

बूढ़ा, मन, चीज़, वर्ष, फल, ढेर



परियोजना कार्य (Project Work)

अपने पंसद के फलों के नाम लिखिए और रंग भरिए-

.....
.....
.....
.....
.....
.....



शिक्षण संकेत :

बच्चों को ऐसी और कहानियाँ सुनाइए जिन्हें सुनकर उनके मन में दूसरों की भलाई की भावना जाग्रत हो।

सिद्धार्थ और पक्षी

सुबह का समय था। सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे। पक्षी चहचहा रहे थे। अचानक पक्षियों का चहचहाना बंद हो गया। तभी एक हंस उनके पैरों के पास आ गिरा।



सिद्धार्थ ने हंस को उठाया। बड़े प्यार से तीर निकाला और हंस के ज़ख्म को साफ किया। थोड़ी देर बाद सिद्धार्थ का चरेरा भाई देवदत्त वहाँ आया।





यह झगड़ा राजा के दरबार में पहुँचा ।



मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है ।

पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)



टहलना - घूमना; चहचहाना - पक्षियों की आवाज़; चचेरा - चाचा का बेटा

शब्दों की नई-पुढ़ानी वर्तनी (Writing Pattern)

इन शब्दों को इस तरह भी लिख सकते हैं-

सिद्धार्थ - सिद्धार्थ, देवदत्त - देवदत्त



सम्यूक्त नमूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- सिद्धार्थ कहाँ टहल रहा था ?
- हंस को क्या हुआ था ?
- सिद्धार्थ ने घायल हंस के लिए क्या किया ?
- देवदत्त ने हंस क्यों माँगा ?
- राजा ने क्या फैसला दिया ?

ख. उचित शब्दों द्वारा खाली स्थान भरिए-

चहचहाना, राजदरबार, तीर, रंग-बिरंगे, घायल

- बगीचे में फूल खिले थे।
- पक्षियों का बंद हो गया था।
- हंस के शरीर में लगा हुआ था।
- हंस तीर लगने से हो गया था।
- वह हंस को लेकर में चला गया।

आषां ज्ञान (Language Knowledge)

क. सही विलोम शब्द चुनकर लिखिए-

रात	- आसान	- दिन
अंधेरा	- मित्र	- सरल



ख. 'आ' (A) की मात्रा लगाकर शब्द को पूरा कीजिए -

ड ल	- डाल	प नी	-
ब द ल	-	स व न	-
र म	-	मा त	-



दृचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment)



उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)

हँस, हंस, सिद्धार्थ, देवदत्त, धन्यवाद

मैरिक (Oral)

- यदि तुम राजा होते तो हंस किसे देते ?
- क्या हमें पक्षियों को मारना चाहिए ?



परियोजना कार्य (Project Work)



अपनी पंसद का एक पक्षी बनाकर उसमें रंग भरिए।



शिक्षण संकेत : बच्चों को समझाइए कि वे किस प्रकार पशु-पक्षियों की सहायता कर सकते हैं।

प्याटे बापू

16

रिंकू और रिंपी भाई-बहन थे। वे अपनी दादी माँ के पास बैठे थे। दादी माँ उन्हें महात्मा गांधी के बारे में बता रही थी। गांधी जी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। उनका जन्म 2 अक्टूबर सन् 1869 में पोरबंदर (गुजरात) नामक स्थान पर हुआ था। इनकी माता का नाम पुतलीबाई तथा पिता का नाम करमचंद गांधी था। वे हमारे राष्ट्रपिता थे। हम उन्हें आदर से बापू कहते हैं।



गांधी जी बचपन से ही सच बोलते थे। एक बार उनके विद्यालय में डिप्टी साहब आए। वे बच्चों की पढ़ाई की जाँच कर रहे थे। डिप्टी साहब ने बच्चों को केटल 'शब्द लिखने को कहा। गांधी जी शब्द को गलत लिख रहे थे। गुरु जी ने **संकेत** से दूसरे बालक की नकल करने को कहा। गांधी जी ने नकल नहीं की। वे बचपन से ही सच्चे और ईमानदार थे।



गांधी जी बहुत साहसी थे। उन्होंने सत्य और **अहिंसा** के पथ पर चलकर भारत को **स्वतंत्र** कराया। वे सभी धर्मों का आदर करते थे। वे सबसे प्रेम करते थे।

पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)

संकेत - इशारा; अंहिसा- बिना लड़ाई-झगड़े के; स्वतंत्र - आज़ाद



शब्दों की नई-पुढ़ानी वर्तनी (Writing Pattern)

इन शब्दों को ऐसे भी लिख सकते हैं :

विद्यालय - विद्यालय, पोरबंदर - पोरबन्दर, स्वतंत्र - स्वतन्त्र, चंद - चन्द



सम्यूक्त नमूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. गाँधीजी का पूरा नाम क्या था ?
2. गाँधीजी का जन्म कहाँ हुआ था ?
3. गाँधीजी ने नकल क्यों नहीं की ?
4. गाँधीजी ने किस पथ पर चलकर भारत को स्वतंत्र कराया ?

ख. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

1. गाँधीजी बहुत थे। (डरपोक/साहसी)
2. गाँधीजी बचपन से ही बोलते थे। (सत्य/झूठ)
3. लोग इन्हें प्यार से कहते हैं। (पिता/बापू)
4. वे सबसे करते थे। (प्रेम/झगड़ा)

गु

नीचे कुछ वाक्य लिखे हैं, जो क्रम में नहीं हैं। उन्हें क्रम से लिखिए-

- डिस्टी साहब ने बच्चों को 'केटल' शब्द लिखने को कहा।
- एक बार उनके विद्यालय में डिस्टी साहब आए।
- गाँधी जी बचपन से ही सच बोलते थे।
- गाँधी जी शब्द को गलत लिख रहे थे।
- गाँधी जी ने नकल नहीं की।
- गुरुजी ने संकेत से दूसरे बालक की नकल करने को कहा।
- वे बचपन से ही सच्चे और ईमानदार थे।

भाषा ज्ञान (Language Knowledge)

पढ़िए और समझिए :

दादा - दादी

माता - पिता

भाई - बहन

जोड़े बनाइए-

राजा

मुरगा

पिता

बैल

माता

गाय

रानी

मुरगी



उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)

सत्य, अहिंसा, पोरबंदर, धर्म, ईमानदार

मौखिक (Oral)

1. गाँधी जी की माता का नाम क्या था ?
2. गाँधी जी के पिता का नाम क्या था ?

श्रुतलेखन (Dictation) ■■■

ગुજરात, રાષ્ટ્રપિતા, બાપુ, અહિંસા, સ્વતંત્રતા



પદ્ધિયોજના કાર્ય (Project Work)



સ્વતંત્રતા સંગ્રામ કે સેનાનિયોં કે ચિત્ર એકત્ર કરકે નીચે દિએ ગए બોક્સ કે અંદર ચિપકાઇએ।



શિક્ષણ સંકેત : બચ્ચોં કો ભારત કે મહાન સ્વતંત્રતા સેનાનિયોં કે વિષય મેં બતાઇએ।

धूप

बीती रात, हुआ उजियारा,
घर-आँगन में उतरी धूप।
कण-कण में, पत्ते-पत्ते पर,
हँसती-गाती बिखरी धूप॥

पर्वत की चोटी पर उछली,
झरनों के संग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची,
सबकी बनी सहेली धूप॥

पंछी के पंखों पर चमकी,
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने-कोने में,
नयी चेतना लाई धूप॥

गर्मी में आँखे दिखलाई,
सर्दी में मनभाई धूप।
छम-छम करती बरखा के संग,
सतरंगी बन आई धूप॥

-अवनीश यादव

पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)

बीती - जो गुजर चुकी; उजियारा - रोशनी; सहेली - दोस्त; चेतना - जीवन;
बरखा - बारिश; सतरंगी - सात रंगों वाली



सम्पूर्ण भूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills) ■■■

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- जाड़े में धूप कैसी लगती है?
- गर्मी में धूप कैसी लगती है?
- बरसात में धूप कैसी लगती है?
- यदि सूरज उदय न हो तो क्या होगा?

ख. दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए-

पर्वत की छोटी

झरनों के

.....

.....

ग. जिसके लिए धूप ज़रूरी है, उस पर गोला बनाइए-

खेती, फल, फूल, खुरपी, जीवन, हवाई जहाज, वर्षा, बर्तन

भाषा ज्ञान (Language Knowledge) ■■■

'इ' की मात्रा व्यंजन के बाईं ओर लगती है। इसको ऐसे लिखते हैं- f।

जैसे - कि, खि, गि, घि, चि, छि, जि, झि, रि, मि आदि।

‘ई’ (बड़ी ई) की मात्रा व्यंजन के दाईं ओर लगती है। इसको ऐसे लिखते हैं—ै।

जैसे - की, खी, गी आदि।

बड़ी ‘ई’ की मात्रा को बोलने पर अधिक ज़ोर दिया जाता है।

क. नीचे दिए शब्दों को ‘इ’ (i) की मात्रा लगाकर पूरा कीजिए-

करन - वमला - ववाह -

दन - नशा - मत्र -

ख. नीचे दिए शब्दों को ई (ै) की मात्रा लगाकर पूरा कीजिए-

नद - पपल - जवन -

पान - चट - नेक -



दृष्टिनालिक मूल्यांकन (Formative Assessment)



उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)

उजियारा, आँगन, बिखरी, उछली, सहेली



मौखिक (Oral)

- सूरज कब निकलता है?
- सूरज कब अस्त होता है?
- तेज धूप में किस रंग का चश्मा लगाना चाहिए?

श्रुतलेखन (Dictation)

पंछी, लहराई, चेतना, आँखें, मनभाई, सतरंगी



परियोजना कार्य (Project Work)



बाल्टी में साबुन का घोल बनाइए। उसे धूप में रखिए। देखिए, साबुन के बुलबुलों में कितने रंग दिखाई देते हैं।



शिक्षण संकेत :

बच्चों से भी कविता सस्वर दोहराने को कहें। अंतिम शब्दों की ‘तुक’ की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित कराएँ। बच्चों को बताएँ कि इससे कविता में सरलता आती है।

शाम हो गई थी। धीरे-धीरे अँधेरा छा रहा था। सड़कों की बत्तियाँ जल गई थीं।



तभी एक बालक अपनी पुस्तकें लेकर **फुटपाथ** पर आया। वह एक खंभे की बत्ती की रोशनी में नीचे बैठकर पढ़ने लगा।

पढ़ते-पढ़ते रात हो गई। लोगों का सड़क पर आना-जाना कम हो गया। बालक अभी भी वहीं बैठा हुआ पढ़ रहा था।

उधर से निकलते हुए एक **सज्जन** ने बच्चे को पढ़ते हुए देखा।

वे रुक गए। फिर बच्चे के पास आकर उन्होंने पूछा, “तुम सड़क पर क्यों पढ़ रहे हो?”

बच्चे ने उत्तर दिया, “घर में बत्ती नहीं है, इसीलिए यहाँ पढ़ रहा हूँ।”

सज्जन बोले, “यदि इतने ग़रीब हो, तो पढ़ाई क्यों कर रहे हो?”

बच्चा कुछ समय तक सोचता रहा। फिर बोला, “पढ़कर ही तो ग़रीबी दूर की जा सकती है।”

उस बच्चे के माता-पिता बहुत ग़रीब थे। बच्चे की पढ़ाई के रास्ते में बहुत मुसीबतें थीं। फिर भी उसने पढ़ाई नहीं छोड़ी। वह विद्या-प्रेमी था। पढ़ाई के लिए उसके मन में बड़ी लगन थी।



अंत में वह सफल हुआ। एक दिन वह बहुत बड़ा आदमी बना। उस बालक का नाम था— ईश्वरचंद्र शर्मा। बड़े होने पर लोगों ने उसे उपाधि दी— ईश्वरचंद्र विद्यासागर। सचमुच वे विद्या के सागर थे।



बच्चों अच्छी शिक्षा से हम अपने मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर कर सकते हैं।

पाठ से-



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)

फुटपाथ—सड़क के किनारे ऊँची जगह; सज्जन—भले आदमी; मुसीबत—रुकावट, कष्ट; सफल—कामयाब, सार्थक; सागर—समुद्र; उपाधि—सम्मान सूचक शब्द



शब्दों की नई-पुढ़ानी वर्तनी (Writing Pattern)

इन शब्दों को हम ऐसे भी लिख सकते हैं—

खंभे—खम्भे, विद्या—विद्या, अंत—अन्त, चंद्र—चन्द्र



सम्यूक्त वृत्तांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

- बच्चा कहाँ बैठकर पढ़ रहा था ?

2. सज्जन ने बच्चे से क्या पूछा ?
3. बच्चा सड़क के किनारे बैठा क्यों पढ़ रहा था ?
4. अंत में वह सफल कैसे हुआ ?

ख. उचित शब्द द्वारा खाली स्थान भरिए-

मुसीबतें,	बत्तियाँ,	लगन,	फुटपाथ,	सोचता
-----------	-----------	------	---------	-------

1. सड़कों की जल गई थीं।
2. बालक अपनी पुस्तकें लेकर पर आया।
3. बच्चा कुछ समय तक रहा।
4. बच्चे की पढ़ाई के रास्ते में बहुत थीं।
5. पढ़ाई के लिए बालक के मन में बड़ी थी।

ग. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. अँधेरा
2. रोशनी
3. ग़रीबी
4. सागर

घ. किसने कहा ?

1. तुम सड़क पर क्यों पढ़ रहे हो ?
2. घर में बत्ती नहीं है।
3. यदि इतने ग़रीब हो तो पढ़ाई क्यों कर रहे हो ?
4. पढ़कर ही तो ग़रीबी दूर की जा सकती है।

भाषा ज्ञान (Language Knowledge) = = =

पाठ से चुनकर नीचे दी गई मात्राओं वाले दो-दो शब्द लिखिए-

आ -

इ -

इ	—
उ	—
ऊ	—
ए	—
ऐ	—
ओ	—
औ	—



दर्शनात्मक भूल्यांकन (Formative Assessment)



उच्चारण अभ्यास (Pronunciation) ≡

सड़क, बल्टी, फुटपाथ, सज्जन, ग़रीब

मौखिक (Oral) ≡

1. सड़कों की बत्तियाँ कब जलती हैं?
2. फुटपाथ किसे कहते हैं?
3. बच्चे के माता-पिता कैसे थे?
4. विद्यासागर का पूरा नाम क्या था?



परियोजना कार्य (Project Work)



ईश्वरचंद्र विद्यासागर के जीवन की कुछ बातें लिखिए।

(Form for writing about Ishwar Chandra Vidyasagar's life.)
--



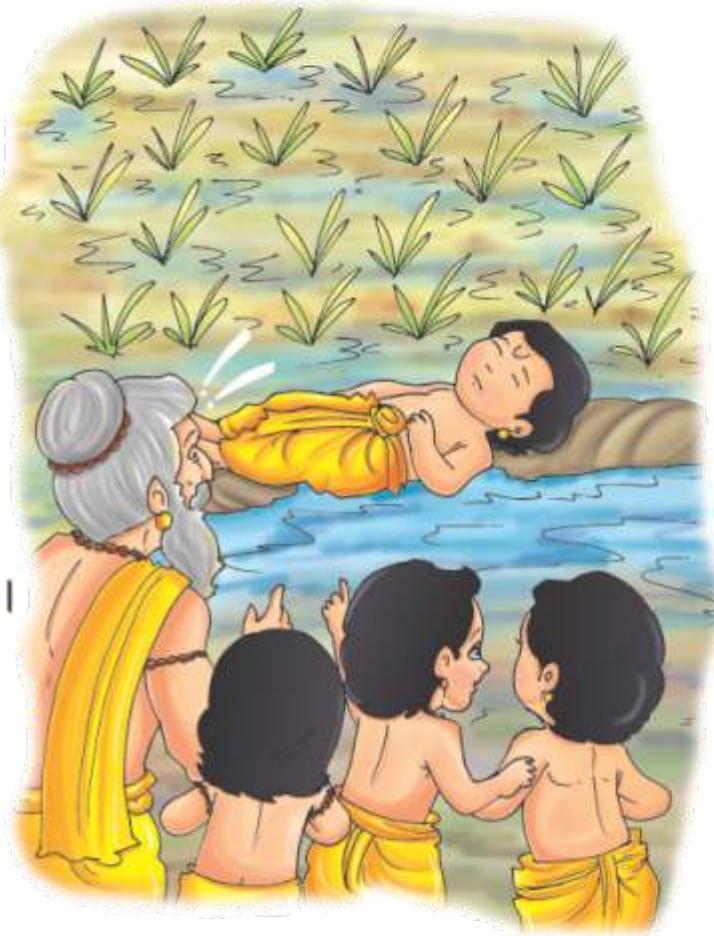
शिक्षण संकेत :

पाठ का शीर्षक बच्चों को समझाइए। 'विद्या' शब्द से बनने वाले अन्य शब्दों को भी बताइए। इस अवसर पर विद्या-प्रेमी, विद्यासागर, विद्यार्थी, विद्यालय आदि शब्दों से बच्चों को परिचित कराइए।

एक ऋषि थे। उनका नाम धौम्य था। घने जंगल में उनका आश्रम था। उनके आश्रम में कई बालक पढ़ते थे। उनमें से एक का नाम आरुणि था। वह गुरुजी की बहुत सेवा करता था। उनका कहना कभी नहीं टालता था।

एक बार बहुत ज़ोर से पानी बरसा। सांयकाल का समय था। चारों तरफ अँधेरा छा रहा था। वर्षा रुक ही नहीं रही थी। गुरुजी को खेत की चिंता हुई कि बरसात का बहता पानी फसल को नष्ट कर देगा।

गुरुजी ने आरुणि को अपने पास बुलाया। उन्होंने उसे खेत की **मेड़** की रक्षा करने को कहा। आरुणि खेत की ओर चला। **घना** अँधकार था। बिजली चमकती, तब कुछ दिखता। आरुणि खेत में पहुँचा तो देखा कि पास के नाले का पानी खेत में आ रहा था। उसने बहते पानी को मिट्टी से रोकने की बहुत कोशिश की। पानी नहीं रुका। पहले कुछ सोचा, फिर स्वयं ही पानी के मार्ग में लेट गया। पानी तो रुक गया, लेकिन आरुणि **मूर्च्छित** हो गया।



रात्रि के भोजन का समय था। गुरुजी ने देखा, आरुण अभी तक नहीं आया? इस बात से सब को चिंता हुई। गुरुजी दूसरे शिष्यों के साथ खेत में गए। उन्होंने आरुण को पुकारा, पर वह तो बेहोश पड़ा था। ढूँढते-ढूँढते सब उसके पास पहुँचे। गुरुजी ने आरुण को अपनी गोद में ले लिया। आरुण होश में आ गया। गुरुजी आरुण से बहुत प्रसन्न हुए।



हमें अपने गुरुजनों, माता-पिता एवं बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)



घना - बहुत; नष्ट - समाप्त; मेड़ - खेत के चारों ओर बनी मिट्टी की दीवार;
चिंता - फिक्र; शिष्य - विद्यार्थी, छात्र; मूर्छित - बेहोश; प्रसन्न - खुश



सम्यूक्त्यांकन (Summative Assessment)



लिखित (Writing Skills)



क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- गुरुजी ने आरुण को खेत पर क्यों भेजा?
- उस दिन रात कैसी थी?
- आरुण मेड़ पर क्यों लेट गया?
- बरसात कब रुकी?
- सब को किस बात की चिंता हुई?

ख. उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

खेत, घने, चमकती

- ऋषि का आश्रम जंगल में था।

2. गुरुजी को की चिंता हुई।
 3. बिजली तब कुछ दिखता।

भाषा ज्ञान (Language Knowledge)

भाषा की सबसे छोटी इकाई **अक्षर** कहलाती है; **जैसे-** अ, इ, क्, म् आदि।
 अक्षरों के मेल से शब्द बनते हैं।

समझिए और कीजिए-

रात	-	र + ा + त + अ	{	सेवा	-	*****
जंगल	-	*****		बरसात	-	*****
पानी	-	*****		पहुँचे	-	*****

उच्चारण अभ्यास (Formative Assessment)

आरुण, धौम्य, आश्रम, चमकती, मूर्छित, प्रसन्न

मौखिक (Oral)

1. ऋषि का क्या नाम था?
 2. बालक का क्या नाम था?



परियोजना कार्य (Project Work)

जंगल में एक झोपड़ी और उसके सामने से बहती हुई नदी का चित्र बनाकर अपने अध्यापक को दिखाइए।

शिक्षण संकेत : बच्चों को यह कहानी शुद्ध उच्चारण सहित पढ़कर सुनाएँ। इस पाठ से संबंधित प्रश्न पूछिए। इससे उनके श्रवण-कौशल को परखने में आसानी होगी।

गुब्बारे

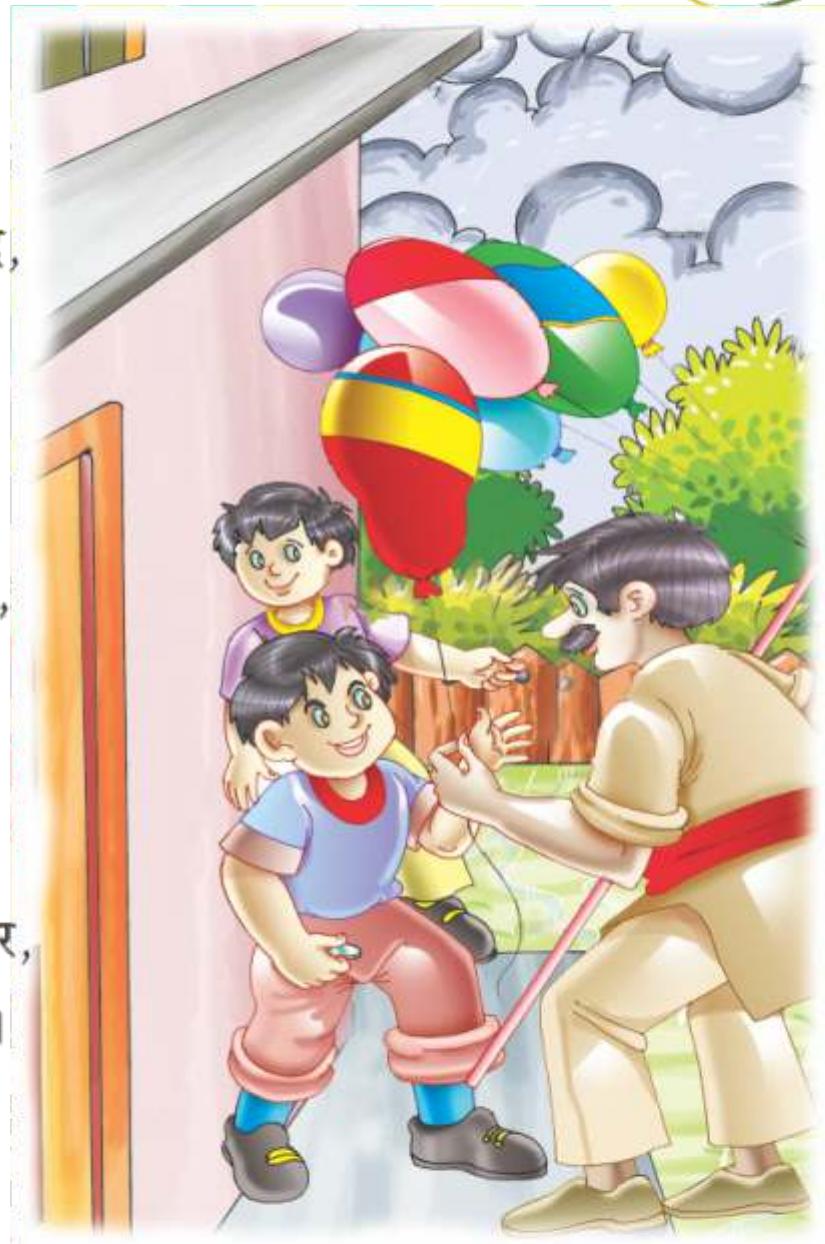
20

गुब्बारों का लेकर ढेर,
देखो आया है शमसेर।

हरे, बैंगनी, लाल, सफेद,
रंगों के हैं कितने **भेद**।
कोई लंबा, कोई गोल,
लाओ पैसे, ले लो मोल।

मुट्ठी में लो इनकी डोर,
इन्हें घुमाओ चारों ओर।
हाथों से दो इन्हें **उछाल**,
लेकिन लेना खूब **संभाल**।

पड़ा किसी के ऊपर ज़ोर,
एक ज़ोर का होगा शोर।
गुब्बारा फट जाएगा,
खेल खतम हो जाएगा।



संदेश

पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी आवश्यक है। खेलने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

पाठ से।



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)

भेद - प्रकार, फर्क; उछाल देना - ऊपर फेंकना; संभाल लेना - सहेजना;



शब्दों की नई-पुढ़ानी वर्तनी (Writing Pattern)

इन शब्दों को ऐसे भी लिख सकते हैं-

लंबा = लम्बा, मुट्ठी = मुट्ठी, संभाल = सम्भाल



सम्यूक्त मूल्यांकन (Summative Assessment)

लिखित (Writing Skills)

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. शमसेर क्या लेकर आया ?
2. गुब्बारे किस-किस रंग के थे ?
3. तुम मुट्ठी में क्या पकड़ोगे ?
4. गुब्बारे पर जोर पड़ने से क्या होगा ?
5. खेल कब खत्म हो जाएगा ?

ख. पंक्तियों को पूरा कीजिए-

हरे, बैंगनी,

..... कितने भेद।

मुट्ठी में लो

..... चारों ओर।

पड़ा किसी के

..... होगा शोर।

४

कविता में से तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए-

गोल	-	मोल	-	डोर	-
उछाल	-		जोर	-

आषा ज्ञान (Language Knowledge)

वे शब्द जो 'पुरुष' या 'आदमी' होने का बोध कराएँ, 'पुलिंग' और जो 'स्त्री' या 'औरत' होने का बोध कराएँ वे 'स्त्रीलिंग' कहलाते हैं।

जैसे - लड़का - पुलिंग

लड़की - स्त्रीलिंग

लिंग बदलकर लिखिए-

राजा	-	भाई	-
मोरनी	-	मुरगी	-
चूहा	-	घोड़ा	-

दर्चनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment)

उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)

शमसेर, बैंगनी, मुट्ठी, घुमाओ, संभाल, खतम

मौखिक (Oral)

1. गुब्बारे वाले का नाम क्या है?
2. आपको कौन-से रंग का गुब्बारा पसंद है?
3. कौन-सा गुब्बारा हवा में ऊपर उड़ जाता है?



परियोजना कार्य (Project Work)

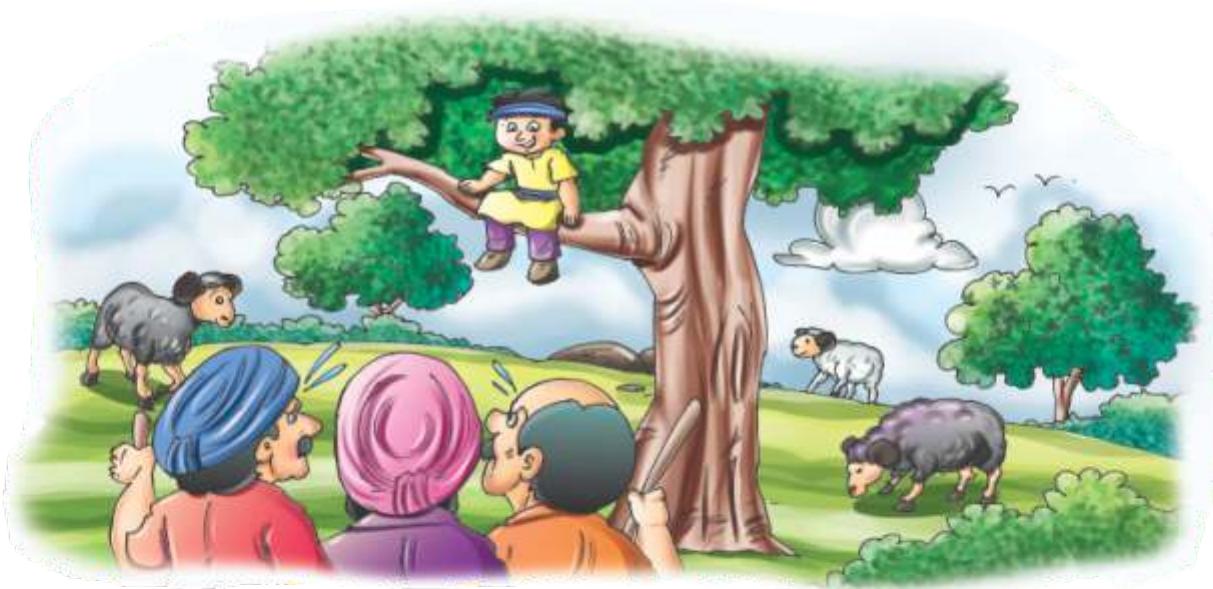


पेंसिल से अलग-अलग आकार के गुब्बारे बनाकर उनमें अलग-अलग रंग भरिए।

झूठ का फल

हरिपुर नामक गाँव में भोलू नाम का एक गड़रिया रहता था। वह जंगल में गाँव वालों की भेड़-बकरियाँ चराने जाया करता था। उसकी कुछ बुरे लड़कों की संगति के कारण उसे झूठ बोलने की आदत पड़ गई थी।

एक दिन वह जंगल में भेड़-बकरियाँ चरा रहा था। अचानक उसे एक शरारत सूझी। वह एक पेड़ पर चढ़ गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा, “बचाओ! बचाओ! भेड़िया आया, भेड़िया आया।”



भोलू की आवाज सुनकर गाँव वाले लाठी, डंडे आदि लेकर उसकी सहायता के लिए दौड़े। लेकिन वहाँ पहुँचकर उन्होंने देखा, भोलू पेड़ की एक ऊँची डाल पर बैठा हँस रहा था।

उन्होंने भोलू से पूछा, “भोलू अभी-अभी तुम चिल्ला रहे थे कि भेड़िया आया, भेड़िया आया। कहाँ है वह भेड़िया?”

भोलू ने हँसकर उत्तर दिया , “मैं तो यूँ ही मजाक कर रहा था । यहाँ कोई भेड़िया नहीं आया ।” गाँव वालों को बहुत बुरा लगा । लेकिन वे चुपचाप वापस चले गए । भोलू ने एक बार फिर ऐसा ही किया । इस बार भी गाँव वाले उसकी सहायता को दौड़े आए । लेकिन वहाँ भेड़िए को न पाकर उन्हें भोलू पर बहुत गुस्सा आया । उनमें से एक बोला, “देख लेना, भोलू की झूठ बोलने की आदत एक दिन इसे हानि पहुँचाएगी ।”

इस बात को काफी समय बीत गया । गाँव वाले भी इस बात को भूल गए । एक दिन जब भोलू भेड़ चरा रहा था, तो अचानक सचमुच ही एक भेड़िया वहाँ आ गया । उसने भेड़-बकरियों को मारना शुरू कर दिया । भोलू पेड़ पर चढ़कर चिल्लाता रहा, “बचाओ ! बचाओ ! भेड़िया आया, भेड़िया आया ।” गाँव वालों ने समझा कि

वह आज फिर मजाक कर रहा है, इसलिए वे उसकी सहायता के लिए नहीं आए ।

भेड़िए ने बहुत सी भेड़-बकरियों को मार डाला । कुछ समय पश्चात् गाँव का एक व्यक्ति वहाँ से गुजरा ।

उसने देखा कि कुछ भेड़-बकरियाँ मरी पड़ी हैं । कुछ घायल हैं तथा भोलू वहाँ रो रहा है । उसने जाकर गाँव वालों को बताया । वे भोलू को देखने आए । भोलू को अपने आप पर **लज्जित होना पड़ा** ।



बच्चों ! सदा सच बोलो ! झूठ से हमेशा दूर रहो । जो बच्चे सदा सच बोलते हैं, वे ही आगे चलकर महान् व्यक्ति बनते हैं ।

पाठ से



शब्द ज्ञान (Word Knowledge)



संगति - साथ; हानि - नुकसान; लज्जित - शर्मिंदा;



सम्यूक्त मूल्यांकन (Summative Assessment)



लिखित (Writing Skills)

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- भोलू क्या करता था ?
- भोलू की झूठ बोलने की आदत क्यों और कैसे पड़ी ?
- भोलू की आवाज सुनकर गाँव वाले क्या-क्या लेकर आए ?
- इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

ख. अचित शब्दों द्वारा खाली स्थान भरिए-

चराने, सुनकर, गड़रिया, चुपचाप

- हरिपुर नामक गाँव में एक रहता था ।
- वह गाँव वालों की भेड़-बकरियाँ जाया करता था ।
- भोलू की आवाज गाँव वाले दौड़े आए ।
- गाँव वाले वापस चले गए ।

ग. किसने कहा ?

- बचाओ ! बचाओ ! भेड़िया आया, भेड़िया आया ।
.....
.....
.....
- भोलू ! अभी-अभी तुम चिल्ला रहे थे ।
.....
.....
.....
- कहाँ है वह भेड़िया ?
.....
.....
.....
- मैं तो यूँ ही मजाक कर रहा था ।
.....
.....
.....

छ

निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

हानि	-
हँसना	-
महान	-
झूठ	-

भाषा ज्ञान (Language Knowledge) ≡

कुछ शब्दों का अर्थ समान होता है। ऐसे शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे- सूर्य को सूरज, रवि, भानू, दिनकर भी कहते हैं। इसी तरह फूल के भी कई नाम होते हैं; जैसे- पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून आदि।

इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए-

चंद्रमा	-	धरती	-
कमल	-	नदी	-



उच्चारण अभ्यास (Pronunciation)



गड़रिया, बकरियाँ, शरारत, भेड़िया, चुपचाप, पश्चात्

गौचिक (छे) ≡

1. गाँव का नाम क्या था ?
2. गड़रिए का नाम क्या था ?



परियोजना कार्य (Project Work)



“झूठ बोलना अच्छी आदत नहीं है।” इस विषय में अपने अध्यापक /अध्यापिका से चर्चा कीजिए।

शिक्षण संकेत :

बच्चों को इस तरह की कुछ और कहानियाँ सुनाइए और उन्हें बताइए कि झूठ बोलने वालों पर कोई विश्वास नहीं करता।



मॉडल प्रश्न-पत्र-I



1. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए-

- क. ब् + ठ + ज् + ठ + र + अ =
- ख. प् + अ + क् + अ + व् + ठ + न् + अ =
- ग. म् + ओ + ज् + औ =
- घ. ज् + अ + औ + ग् + अ + ल् + अ =
- ड.. ख् + अ + ऊ + औ + ख् + अ + ठ + र् + अ =
- च. म् + ए + ग् + अ =

2. सही वर्ण पर 'f' या 'ी' की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए-

- | | | | | | | |
|-----------|---|-------|---|----------|---|-------|
| क. गलास | - | | { | ख. नद | - | |
| ग. सवता | - | | | घ. गटार | - | |
| ड. मकड़ | - | | | च. जनवर | - | |
| छ. महारान | - | | | ज. पचकार | - | |

3. सही वर्ण पर () या (ू) की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए-

- | | | | | | | |
|-----------|---|-------|---|-----------|---|-------|
| क. करसी | - | | { | ख. आल | - | |
| ग. अमरद | - | | | घ. गलाब | - | |
| ड. गड़िया | - | | | च. खरबज़ा | - | |
| छ. कसर | - | | | ज. लहार | - | |

4. सही वर्ण पर 'े' या 'ौ' की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए-

- | | | | | | | |
|--------|---|-------|---|--------|---|-------|
| क. झडा | - | | { | ख. अडा | - | |
| ग. चाद | - | | | घ. ऊट | - | |

ड.	बदर	-	{	च.	महगा	-
छ.	बासुरी	-		ज.	चचल	-

5. खाली स्थान में सही शब्द भरिए-

- | | | |
|----|-------------------------|-----------------|
| क. | कार में बैठकर आई। | (रीता / पपीता) |
| ख. | किसी की मत करो। | (भलाई / बुराई) |
| ग. | सामान उठा रहा है। | (कुली / धुली) |
| घ. | झूला गया। | (फूट / टूट) |
| ड. | किसी से मत रख। | (बैर / बेर) |

6. ठीक शब्द पर गोला बनाइए-

क.	तैरा	तेरा	{	ख.	लंगूर	लगूर
ग.	बैल	बलै		घ.	पुनः	पुःन
ड.	खाँसी	खाँसी		च.	ट्रेन	टैन
छ.	दुःख	दुखः		ज.	कृषक	कृशक

7. सही जोड़े मिलाइए-

- | | | |
|----|--------|-------------------------|
| क. | सूर्य | ● कपड़े धोता है। |
| ख. | कुत्ता | ● बाल काटता है। |
| ग. | धोबी | ● प्रकाश देता है। |
| घ. | नाई | ● काला होता है। |
| ड. | कौआ | ● घर की रखवाली करता है। |

8. संयुक्ताक्षर तथा द्वितीय व्यंजन के पाँच-पाँच उदाहरण दीजिए।



मॉडल प्रश्न-पत्र-II



1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

प्रभु, चहचहाना, सतरंगी, नष्ट, मूर्छित, भेद, संगति, लज्जित

2. सही उत्तर पर ✓ का चिह्न लगाइए-

क. पौधा कौन लगा रहा था ?

अ. मालिक

ब. माली

ख. गाँधी जी से कौन-सा शब्द नहीं लिखा गया था:

अ. केटल

ब. डॉग

ग. धूप किसके लिए ज़रूरी है ?

अ. फूल

ब. बर्तन

घ. गुरुजी किससे बहुत खुश थे ?

अ. शिष्यों से

ब. आरूणि से

ड. गुब्बारे वाले का क्या नाम था ?

अ. शमसेर

ब. शेरसिंह

3. सही कथन के सामने ✓ तथा गलत कथन के सामने ✗ का चिह्न लगाइए-

क. भोलू को झूठ बोलने की आदत थी।

ख. घर में बत्ती न होने के कारण बालक खंबे के नीचे बैठकर पढ़ रहा था।

ग. गाँधीजी की माता का नाम पुतलीबाई था।

घ. शमसेर के पास सभी गुब्बारे लाल रंग के थे।

ड. गुरुजी आरूणि से खुश नहीं थे।

4. एक शब्द में उत्तर दीजिए-

- क. हिरन को दोपहर में कौन आता दिखाई दिया ?
- ख. अंत में हंस किसे मिला ?
- ग. गाँधी का जन्म कहाँ हुआ ?
- घ. सूरज कब निकलता है ?
- ड. बच्चा कहाँ बैठकर पढ़ रहा था ?

5. मिलान कीजिए-

- | | |
|------------|--------------------------|
| क. भोलू | ● ऋषि |
| ख. शमसेर | ● सिद्धार्थ का चचेरा भाई |
| ग. धौम्य | ● मनभाई धूप |
| घ. देवदत्त | ● गड़रिया |
| ड. सर्दी | ● गुब्बारे |

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- क. सिद्धार्थ ने घायल हंस के लिए क्या किया ?
- ख. आरुणि मेड़ पर क्यों लेट गया ?
- ग. सबको किस बात की चिंता हुई ?
- घ. गुब्बारे पर जोर पड़ने से क्या होगा ?
- ड. 'झूठ का फल' नामक कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

7. खाली स्थान भरिए-

- क. एक हिरन एक पेड़ की में खड़ा था ।
- ख. हंस के शरीर में लगा हुआ था ।
- ग. को हम प्यार से बापू कहते हैं ।
- घ. पढ़ाई के लिए बच्चे के मन में बड़ी थी ।
- ड. हरिपुर गाँव में नाम का एक गड़रिया था ।

8. गाँधी जी के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

वसुधा

यह पाठ्यपुस्तक केंद्रीय हिंदी निदेशालय (शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास भवालय, भारत सरकार की संशोधित व परिवर्तित 'देवनागरी लिपि' तथा 'हिंदी वर्तनी' के अनुकूल तैयार की गई है।

प्रस्तुत पुस्तक में नन्हे बालकों के बौद्धिक स्तर का विशेष छप से ध्यान दखा गया है।

आशा है कि यह पाठ्यपुस्तक नन्हे बालकों के लिए विशेष दोचक और उपयोगी सिद्ध होगी। प्रस्तुत पुस्तक में संशोधन हेतु शिक्षकों के सुझावों व परामर्श का स्वागत है।

